



पहला
सावन
सोमवार

भोले के द्वार...आस्था अपार

सावन के पहले सोमवार पर छत्तीसगढ़ के शिवालयों में तड़के से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़िगी। जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजन के साथ भगवान भोलेनाथ की आराधना होगी। सावन के पहले पावन सोमवार को हरिभूमि लेकर आया है छत्तीसगढ़ के प्रमुख शिवधामों की विशेष बाउंड रिपोर्ट, जहां आस्था, इतिहास और अनूठी मान्यताएं भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

25 फीट खुदाई के बाद भी नहीं मिला कौही के स्वयंभू शिवलिंग का अंतिम छोर



पाटन ►► भूषण देशलहरे

रानीतराई से तीन किलोमीटर दूर खारून नदी के तट पर स्थित ग्राम कौही का प्राचीन शिव मंदिर धार्मिक और सामाजिक एकता का पर्याय बन चुका है। यहां विराजमान स्वयंभू शिवलिंग की सबसे बड़ी विशेषता इसका लगातार बढ़ता आकार है। वर्तमान में शिवलिंग की ऊंचाई लगभग छह फीट व परीधि पांच मीटर है। खुदाई के बाद ►►शेष पेज 6 पर

25 फीट तक की गई खुदाई

मंदिर निर्माण के पूर्व लगभग 20 से 25 फीट खुदाई की गई, लेकिन शिवलिंग का अंतिम छोर नहीं मिला। इस मंदिर परिसर में 21 देवी देवताओं का मंदिर स्थापित है, जो कई समाजों ने मंदिर समिति के सहयोग से स्थापित किया है। इस सावन कौही समिति और ग्रामवासी के सहयोग से बोल बम कांविरिया सावन मेला एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया है। सावन के अंतिम सोमवार को इस अवसर पर मंदिर कौही में विराजे स्वयंभू शिवलिंग की विशेष पूजा-अर्चना होगी। रुद्राभिषेक व हवन पूजन का कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस गांव के नदी किनारे शिव मंदिर प्रांगण में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर तीन दिनों तक मेला लगता है।

हरिभूमि

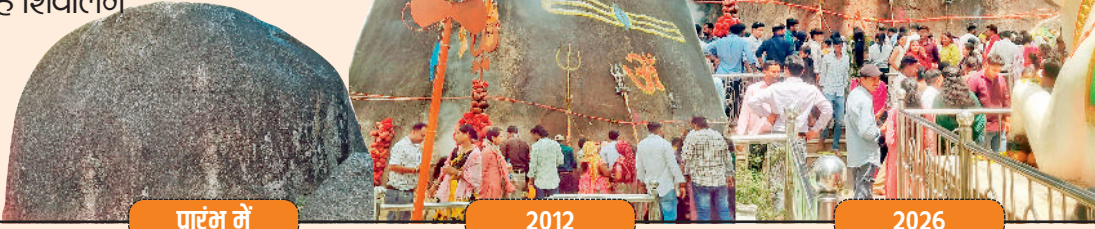
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

14 साल में और विराट हुए भूतेश्वर महादेव

तस्वीरों में नजर आया बढ़ता आकार

हरिभूमि ने 2012 से लेकर अब तक की तस्वीरें टटोलीं, विशाल हो रहा है शिवलिंग

गरियाबंद के भूतेश्वर महादेव



प्रारंभ में

2012

2026

समाचार ही नहीं, विचार भी



जशपुर गिला

गोरिलाल सिन्हा ►► गरियाबंद

गरियाबंद जिले के मरौवा स्थित भूतेश्वरनाथ महादेव (मकुरा महादेव) धाम को लेकर वर्षों से यह मान्यता रही है कि यहां विराजमान स्वयंभू शिवलिंग का आकार लगातार बढ़ रहा है। हरिभूमि ने वर्ष 2012 और 2026 में ली गई तस्वीरों का तुलनात्मक अध्ययन किया। मंदिर समिति से पुरानी तस्वीरें हासिल कीं। दोनों तस्वीरों में शिवलिंग का स्वरूप पहले की तुलना में अधिक विशाल दिखाई देता है। मंदिर समिति और स्थानीय लोगों का भी कहना है कि ►►शेष पेज 6 पर

विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर से लेकर कैलाश गुफा तक होगी आराधना

हरिभूमि न्यूज ►► जशपुरनगर

अंचल में स्थित प्राचीन शिवधामों में सोमवार को तड़के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक होगा। शैव परंपरा की इस पावन भूमि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। जिले के कुनकुरी विकासखंड स्थित मधेश्वर पहाड़ विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में अपनी अलग पहचान रखता है। प्राकृतिक रूप से शिवलिंग के आकार में दिखाई देने वाले इस पर्वत को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में लाजेंस्ट नेचुरल शिवलिंग के रूप में दर्ज किया गया है। जशपुर और सरगुजा जिले के उदयपुर से लगे वनांचल को प्राचीन काल से शैव साधना और शिव उपासना की पावन भूमि माना जाता रहा है। यही वजह है कि इस पूरे क्षेत्र में अनेक प्राचीन शिव मंदिर, गुफाएं और प्राकृतिक शिवधाम आज भी श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र बने हुए हैं। मधेश्वर पहाड़ जशपुर की धार्मिक पहचान का सबसे बड़ा केंद्र है। दूर से देखने पर पूरा पर्वत विशाल शिवलिंग का स्वरूप प्रस्तुत करता है, जिसे श्रद्धालु भगवान शिव का स्वयंभू स्वरूप ►►शेष पेज 6 पर



महेन्द्र विश्वकर्मा ►► जगदलपुर

बस्तर में मौजूद भगवान शिव का एक प्रसिद्ध मंदिर दूरदराज से आने वाले पर्यटकों के लिए श्रद्धा के साथ आकर्षण का केंद्र है। इस मंदिर में करीब 220 साल पुरानी घंटी लगी हुई है, इस घंटी में 1806 लंदन लिखा हुआ है। लोग बताते हैं कि तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर ने यह घंटी मंदिर में चढ़ाई थी, तब से यह घंटी मंदिर के प्रांगण में लगी हुई है। इसका वजन करीब 15 किलो और लोहे से बनी इस घंटी की है, इसमें कभी जंग नहीं लगती। कहा जाता है कि अपने 14 साल के वनवास के दौरान जब भगवान राम दंडकारण्य से गुजर रहे थे तब ►►शेष पेज 6 पर

श्रीराम ने की थी बस्तर में शिवजी की पूजा लगी है 220 साल पुरानी लंदन की घंटी

ब्रिटिश गवर्नर ने चढ़ाई थी घंटी, अब तक जंग नहीं लगी



आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक

बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने बताया कि उनके गृह दाम के समीप स्थित यह प्राचीन शिव मंदिर मेरे लिए केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि आस्था और श्रद्धा का केंद्र भी है। बाल्यकाल से ही मैं यहां भगवान शिव की आराधना करता आया हूँ। यह मंदिर हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है।

शिव के उपासक हैं बस्तर के ग्रामीण बस्तर को आदिकाल से ही शिवधाम कहा जाता है, यहां के ग्रामीण भगवान शिव और भगवान राम की सैकड़ों सालों से उपासना करते आ रहे हैं। यही वजह है कि बस्तर में हजारों की संख्या में भगवान शिव के मंदिर हैं और सभी मंदिर की अलग-अलग विशेषताएं हैं। जगदलपुर शहर से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रामपाल का शिव मंदिर भी प्रसिद्ध है और इंद्रवती नदी के पास मौजूद ►►शेष पेज 6 पर

ताला गांव की रुद्र शिव प्रतिमा अपने शिल्प के चलते 39 वर्षों से कला-संस्कृति पारखियों, शोधकर्ताओं के आकर्षण का केंद्र आज भी बनी हुई 39 साल पहले मलबे से निकली थी रुद्र शिव की प्रतिमा



बिलासपुर। बिलासपुर-रायपुर हाईवे पर 31 किलोमीटर दूर (भोजपुरी से 5 किमी) ताला गांव की रुद्र शिव प्रतिमा अपने शिल्प के चलते 39 वर्षों से कला-संस्कृति पारखियों, शोधकर्ताओं के आकर्षण का केंद्र आज भी बनी हुई है। विश्वभर की शिव प्रतिमाओं में यह सबसे अनूठी और विलक्षण मानी जाती है। सबसे ►►शेष पेज 6 पर

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट = ₹107628/- (75.00%)

22 कैरेट रेट = ₹131450/- (91.60%)

24 कैरेट रेट = ₹143490/- (99.99%)

Live Rate आनंद ज्वेलर्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

anand Jewels Pandri, Raipur

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और झारखंड से आएंगे एचआईवी पॉजिटिव

देशभर से रायपुर में जुटेंगे सैकड़ों एचआईवी संक्रमित गोपनीय बैठक में दवा छोड़ने जैसा कड़ा फैसला संभव

वरुण झा ►► रायपुर

एचआईवी से प्रभावित व्यक्ति का समूह सीजीएनपी प्लस ने छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संस्था के पदाधिकारियों का कहना है कि प्रशासनिक स्तर पर उनके समुदाय के अधिकतर लोगों के इतना परेशान किया जा रहा है कि अब वे एआरटी की दवा भी पूर्ण रूप से त्यागने का निर्णय ले सकते हैं। दवा बंद करने के बाद उनको को होने वाली स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी और मौत के लिए शासन-प्रशासन जिम्मेदार होगा।

गोपनीयता भंग करने का आरोप संस्था ने आरोप लगाया कि रोकथाम में कार्य कर रही एनजीओ बिना किसी सरकारी आदेश के एचआईवी व्यक्तियों के घर जा जाकर उनकी गोपनीयता भंग कर रही है। उनके समुदाय को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वहीं, एचआईवी समुदाय को उच्चाधिकारियों से 4 से 5 घंटे इंतजार कराने के बाद भी ►►शेष पेज 6 पर

एचआईवी और एड्स ग्रसित पीड़ित प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई के लिए रायपुर में जुटेंगे। विश्वस्त सूर्य के अनुसार सोमवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक गोपनीय बैठक होगी। इसमें सैकड़ों संक्रमित जीवन-रक्षक एआरटी की दवा छोड़ने का फैसला कर सकते हैं। इस बैठक में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और झारखंड से बड़ी संख्या में एचआईवी संक्रमित शामिल होंगे।

उपचार के दौरान होता है भेदभाव, जीवन रक्षक मशीनों भी कई बार नहीं मिलती



हरिभूमि एक्सक्लूसिव

जानकारी नहीं

मैं अभी नया आया हूँ। इस विवाद को लेकर मुझे फिलहाल जानकारी नहीं है।

- हररीश दवे, संयुक्त संचालक, सीएसटी

संक्रमितों के लिए परियोजना बंद

संस्था के पदाधिकारियों का आरोप है कि विहान सीएसटी परियोजना, जो कि 2013 से प्रदेश में कार्रवाई थी। यह तीन संस्था अलग-अलग बिलासपुर, रायपुर और जगदलपुर में काम कर रही थी। रायपुर और जगदलपुर की परियोजना स्वयं के समुदाय के द्वारा चलाई जा रही थी। वहीं, बिलासपुर की परियोजना एनजीओ के द्वारा संचालित किया जा रहा था। इस परियोजना में काम करने वाले कर्मचारी भी उनके समुदाय के थे। वे समुदाय की समस्याओं से परिचित थे और इसी के आधार पर सेवाएं दे रहे थे, लेकिन फरवरी 2026 में सीजीसी/नको के द्वारा मूल्यांकन कराया गया। मूल्यांकन के बाद 1 अप्रैल को कार्यालय को बंद कर दिया गया। यही नहीं, उनका पिछला बकाया भुगतान भी नहीं किया गया। परियोजना बंद होने के कारण एचआईवी समुदाय को बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

एआरटी दवा छोड़ने पर हो सकती है मौत

एआरटी की दवा एचआईवी के प्रभाव को कम करने वाली मुख्य चिकित्सीय पद्धति (थेरेपी) है। दवा शरीर के भीरत वायरस की संख्या को नियंत्रित या कम करती है, जिसके कारण एचआईवी का वायरस शरीर में नगण्य हो जाता है। इतना कम कि कई बार वह जांच में भी नहीं दिखता। यदि कोई एचआईवी संक्रमित व्यक्ति इस दवा का सेवन रोकता या बंद करता है तो संक्रमण तेजी से बढ़ता है। कई गंभीर रोग होने का खतरा बढ़ने लगता है। संक्रमित की मौत तक हो सकती है।



टोचन कर बाहर निकाली गई बस

नाले की पुलिया धंसी फंस गई यात्री बस

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण रविवार की दोपहर रतनपुर बांसाझाल चपोरा स्थित एक नाले की पुलिया धंस गई, इसमें बिलासपुर से पेंड्रा जा रही बस बुरी तरह फंस गई, धंसते पुल पर एकाएक बस के फंसने से यात्रियों में कोहराम मच गया। आनन फानन में यात्री बस से उतरकर बाहर निकल गए। कुछ देर बाद टोचन कर बस को बाहर निकाला गया है, दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

कलेक्टर पहुंचे मौके पर

हादसे की सूचना मिलते ही कलेक्टर संजय अग्रवाल अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंच गए और टूटे हुए पुलिया का जायजा लिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को शीघ्र टूटा हुआ पुलिया का मरम्मत कार्य कराने का आदेश दिया है।

ISBM UNIVERSITY
KNOWLEDGE • WISDOM • HUMANITY

Bar Council of India

Association of Indian Universities

Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission

UGC University Grant Commission

All India Council for Technical Education

Pharmacy Council of India

LAUNCH YOUR FUTURE WITH ISBM UNIVERSITY

New Campus in Heart of Raipur - Near Nalanda Parisar - 1 Km approx.
•Ultra Modern Campus •A.I. + M.L. Classes for All Student
•Free Career Guidance with Prior Appointment

CHOOSE A UNIVERSITY THAT PUTS YOU FIRST!

NAAC ACCREDITED

INTERNATIONAL ASSOCIATION OF UNIVERSITIES

AACSB Business Education Alliance Member

ADMISSION OPEN 2026-27
Hostel Facility Available Boys/Girls

10,000+ Students & Alumni

25+ Awards & Recognitions

150+ Recruiters Network

200+ National & International Conferences

50+ MoUs & Tie-Ups

750+ Research Publications

20+ Patents

₹2.5cr+ Research Fellowship

OUR PROGRAMS

→ PHARMACY

→ LAW

→ INFORMATION & TECHNOLOGY

→ LIBRARY & INFORMATION SCIENCE

→ COMMERCE & MANAGEMENT

→ JOURNALISM & MASS COMM.

→ HOTEL MANAGEMENT

→ INNOVATION & COMPUTING

→ DESIGN

→ ENGINEERING & TECHNOLOGY

→ SCIENCE

→ ARTS & HUMANITIES

→ YOGA & NATUROPATHY

→ PhD

+91 9109333333, +91 7880170727

📍 **Raipur Campus** - ISBM University, Ring Road No. 1, Near Sarona Bridge, Tatibandh, Raipur, Chhattisgarh- 492099

📍 **Main Campus** - ISBM University, Nawapara (Kosmi), Block & Tehsil- Chhura, Gariyaband, Chhattisgarh - 493996

www.isbmuniversity.edu.in
(SCAN QR TO VISIT WEBSITE)

Sneham Addiction

जुलाई बीतने के बाद जब राज्य के ज्यादातर जिलों में वर्षा का पवास फीसदी से ज्यादा कोटा पूरा हो चुका है, तब बेमेतरा जिला 31 फीसदी बरसात के साथ अल्पवर्षा का संकट झेल रहा है। जानकारी का मानना है कि पिछले चार साल से रेनशेड एरिया अपनी स्थिति बदलकर बेमेतरा को प्रभावित कर रहा है। इसके पहले इसकी छाया कबीरधाम जिले पर होती थी और वहां अल्पवर्षा का संकट होता था। बेमेतरा की औसत वर्षा 1052.4 मिमी है और पिछले साल भी केवल 524 मिमी बारिश हुई थी।

अल्पवर्षा के संकट से अभिशाप्त बेमेतरा, आधा सीजन बीतने के बाद भी केवल 31 फीसदी बारिश

रायपुर। राज्य का आधा रेनी सीजन बीत चुका है और यहां कुल 566 मिमी बारिश हो चुकी है, जो औसत वर्षा का करीब पचास फीसदी है। जुलाई में सक्रिय हुए मानसूनी सिस्टम ने इस बार मध्य इलाके में ज्यादा असर दिखाया और रायपुर समेत आसपास के जिलों में जून-जुलाई का कोटा पूरा हो गया। राज्य में केवल पांच जिले सरगुजा, सूरजपुर-मनेन्द्रगढ़, कांकेर, जशपुर और बेमेतरा जिले अल्पवर्षा के संकट से जूझ रहा है। बेमेतरा जिले में इस बार भी औसत वर्षा का कोटा पूरा होने की उम्मीद कम है, क्योंकि पिछले चार साल से यह जिला वर्षा का संकट झेल रहा है। मौसम विभाग के विशेषज्ञ मध्य इलाके में आने वाले इस जिले में कम बरसात की वजह का सही-सही अंदाजा लगाने में खुद को असमर्थ पाते हैं।

विशेषज्ञों का तर्क- चार साल से कबीरधाम से बेमेतरा शिफ्ट हुआ रेनशेड एरिया

क्या होता है रेनशेड एरिया
जानकारों के मुताबिक शुष्क या कम वर्षा वाले भू-भाग को वूस्टिड एरिया क्षेत्र कहा जाता है। सामान्यतः यह किसी पर्वत पहाड़ के पीछे हवा की विमुख दिशा होती है। जबकि बेमेतरा की भौगोलिक स्थिति इस तरह की नहीं है। ऐसे में रेनगेज के संवाहण अथवा औसत आंकड़े कम वर्षा का कारण हो सकता है। सरगुजा जिले में मानसूनी की गतिविधि देर से शुरू होती है और अन्य क्षेत्रों की तुलना में देर तक चलती है जिससे सामान्यतः वहां का कोटा पूरा हो जाता है।



राज्य की औसत वर्षा 1142 मिमी

छत्तीसगढ़ की औसत वर्षा 1 जून से 30 सितंबर तक 1142 मिमी. माना जाता है। जुलाई बीतने के बाद राज्य में 566 मिमी. बारिश हो चुकी है। यानी पचास फीसदी कोटा पूरा हो चुका है। अगस्त के महीने में बवने वाले तीन से चार मानसूनी सिस्टम से यह आंकड़ा अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि दिल्ली के मौसम विशेषज्ञों के पूर्वानुमान के मुताबिक भू-मध्य प्रशांत महासागर में अलानोनों के सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है।

बेमेतरा जिले में वर्षा की स्थिति

वर्ष 2025 में एक जून से 30 सितंबर के बीच 524 मिमी. बारिश जो सामान्य से पचास फीसदी कम था
वर्ष 2024 में रेनी सीजन के तीन महीने के बाद आंकड़ा 609 मिमी. तक पहुंचा जो करीब साठ फीसदी कम था
वर्ष 2023 में मानसूनी मौसम के दौरान यहां करीब 943 मिमी. वर्षा हुई जो औसत का लगभग 82 फीसदी था
वर्ष 2022 में इस जिले में 757 मिमी. बारिश हुई थी जो सामान्य वर्षा के कोटे का 66 प्रतिशत ही था।

मामले में अब 17 लोगों की हो चुकी गिरफ्तारी

बीएसपी स्क्रेप चोरी में भाजपा नेता ने दिए पुलिस को कई क्लू, रसूखदार आएंगे लपेटे में

हरिभूमि न्यूज ►► मिलाई

बीएसपी के स्क्रेप चोरी मामले में पुलिस ने भाजपा नेता भास्कर मुदलियार के गिरफ्तारी के बाद कई रसूखदार और बड़े नाम सामने सकेते हैं। पुलिस के मुताबिक भास्कर मुदलियार ने पूछताछ में कई अहम जानकारी दी है। इसे लेकर पुलिस जल्द बड़ा खुलासा कर सकती है। अब तक पुलिस ने 16 आरोपियों को पकड़ा है, भास्कर 17 वां आरोपी है।

तीन माह से चल रहे बीएसपी के स्क्रेप चोरी मामले का सूत्रधार अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है। जिसे लेकर पुलिस बारिकी से जांच कर रही है। भास्कर मुदलियार के पकड़े जाने के बाद उसे भाजपा ने प्रथमिक सदस्यता से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। वैशाली नगर मंडल का यह कोषाध्यक्ष भी था। वैशाली नगर निमासी भास्कर मुदलियार प्लांट के चोरी के स्क्रेप को बेचवाने में बड़ा योगदान रहा है। पुलिस ने इसे शनिवार को पकड़कर कई जानकारी हासिल किया है। आने वाले दिनों में पुलिस बीएसपी के अफसर, सीआईएसएफ के जवान समेत कई और लोगों से पूछताछ कर सकती है। मामले की जांच में भास्कर मुदलियार के कई वाहन लंबे समय से बीएसपी के अंदर चल रहे थे। इसके



इनकी हो चुकी गिरफ्तारी

अब तक पुलिस ने मिथेन ठाकुर, संजय सिंह, रवनेंद्र सिंह, मदन साहू, इंद्र पटेल, धनश्याम गुप्ता, कैलाश शर्मा, उपेन्द्र ओझा, तेजराज निषाद, चितानंद, गीतेश वर्मा, निर्मल सिंह, आकाश ठाकुर, भास्कर मुदलियार समेत अन्य लोगों को जेल भेज चुकी है।



पास से मिले सबूतों के आधार पर उसकी भूमिका सामने आई। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

तीन माह पहले हुआ था खुलासा

26 मई को भिलाई तीन तीन थाना क्षेत्र से ग्राम अकलोरडीह खदानपारा स्थित एके ट्रेडर्स और हथखोज के प्लॉट नंबर-18 में पुलिस ने दबिश दिया। जांच के दौरान कई हाईवा, ट्रक, अन्य

वाहनों में फ्लू डस्ट के साथ लोहे की प्लेट, बीम, कटिंग सामग्री मिली थी। मौके से करीब 250 टन लौह स्क्रेप भी बरामद हुआ था। स्क्रेप की ढुलाई और लोडिंग में इस्तेमाल होने वाले कई वाहन, जेसीबी, हाईड्रा अन्य मशीनें भी जब्त की गई थीं। जब सामान और वाहनों की कुल कीमत करीब 3 करोड़ 22 लाख रुपए आंकी गई थी। इसमें लगभग 90 लाख रुपए का लौह स्क्रेप शामिल था।

पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है पुलिस

पुलिस के मुताबिक स्क्रेप चोरी मामले में भास्कर के गिरफ्तारी के बाद चोरी के नेटवर्क तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। जांच के दौरान नए तथ्य सामने आ रहे हैं। जांच अधिकारियों के मुताबिक यह सिर्फ लोहा चोरी का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे काम कर रहे पूरे नेटवर्क की पड़ताल भी वेक किया जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को एक-एक कर जांच किया जा रहा है। बीएसपी में लोहा चोरी का यह मामला पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में है। अब रसूखदार कारोबारी व भाजपा नेता भास्कर मुदलियार की गिरफ्तारी के बाद इस पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है। पुलिस का दावा है कि जांच निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ाई जा रही है।

खबर संक्षेप

ठाकुरे परिसर में मंत्री आज से फिर सुनौगे कार्यकर्ताओं की समस्याएं

रायपुर। भाजपा प्रदेश सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने ने बताया, निरंतर चलने वाले सहयोग केंद्र में तीन अगस्त से सात अगस्त तक प्रतिदिन भाजपा प्रदेश कार्यालय रायपुर में प्रदेश सरकार के मंत्री दोपहर तीन से पांच बजे तक प्रदेश के कोने कोने से आने वाले कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनौगे व निराकरण की पहल भी करेंगे। इसके लिए कार्यकर्ताओं को दोपहर दो से तीन बजे तक प्रदेश कार्यालय आकर पंजीयन करना होगा। आर्बिट टोकन के आधार पर क्रमशः सुनवाई होगी। 3 अगस्त को गुरु खुशवंत सिंह साहेब, 4 अगस्त को श्याम बिहारी जायसवाल, 5 अगस्त को गजेंद्र यादव, 6 अगस्त को टंककाम वर्मा तथा 7 अगस्त को रामविचार नेताम उपस्थित रहेंगे।

आदतन बदमाश तीन माह के लिए जिलाबंदर

रायपुर। पुलिस कमिश्नर पश्चिम जोन के टिकरापारा थाना क्षेत्र के आदतन सक्रिय बदमाश महेश उर्फ महेशू को पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने तीन माह के लिए जिलाबंदर

करने का आदेश जारी किया है। इन तीन महीनों के भीतर आरोपी को रायपुर जिले सहित छह सरहद्दी जिलों की सीमा में बगैर अनुमति प्रवेश वर्जित रहेगा। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी वर्ष 2013 से लगातार विभिन्न गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उसके विरुद्ध मारपीट, जान से मारने की धमकी, नकबजनी, अतंश एक्ट, जुआ अधिनियम के अंतर्गत कुल 11 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त आरोपी के विरुद्ध कई बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई, किन्तु उसके आपराधिक आचरण में कोई सुधार नहीं आया।

ट्रैफिक डीसीपी के गनमैन ने की जहर खाकर खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

ट्रैफिक डीसीपी अर्चना झा के गनमैन ने शुक्रवार रात राजेंद्र नगर, अमलीडीह स्थित अपने सरकारी क्वार्टर में जहर सेवन कर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी का कारण लंबे अरसे से चल रहा पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। मृतक ने जहर खाने के पूर्व एक वीडियो बनाया है, जिसमें उसने पत्नी के साथ विवाद होने की बात का उल्लेख किया है। जान गंवाने वाले कुलदीप मिश्रा ने जहर खाया था। वह वर्ष 2013 में छत्तीसगढ़ के सशस्त्र बल में भर्ती हुआ था। जहर खाने के बाद हालत बिगड़ने लगी। इस दौरान जवान ने अपने साथियों को कॉल कर जहर खाने की

जानकारी दी। साथी उसे उपचार कराने अस्पताल ले गए, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राजेंद्र नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक आरक्षक के परिजनों, सहकर्मियों और परिचितों से पुलिस पूछताछ कर रही है, ताकि आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा सके। साथ ही उसके मोबाइल फोन और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है, घटना के समय मृतक की पत्नी घर पर मौजूद थी। आरक्षक ने देर रात ढाई से तीन बजे के बीच जहर सेवन किया था। चक्कर आने, आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से अपील

ऑनलाइन प्रोटेस्ट, जिनकी गाड़ियों को ई-20 से नुकसान, मांगे उनके वीडियो

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनविरोधी E20 पेट्रोल नीति के खिलाफ 4 अगस्त को प्रधानमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। इस राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ से भी बड़े स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने जानकारी दी है कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों से 50-50 कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचकर इस ऐतिहासिक आंदोलन में शामिल होंगे। हजारों की संख्या में कार्यकर्ता दिल्ली कूच करेंगे और केंद्र सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराएंगे। आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से अपील

करते हुए कहा, जिनकी भी गाड़ियों को ई-20 से नुकसान हो रहा है वे सभी अपना वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में शेयर करें और अरविंद केजरीवाल को टैग करें। ये सभी वीडियो आम आदमी पार्टी के पेज पर शेयर किए जाएंगे।

पार्टी नेताओं ने कहा, ई-20 पेट्रोल नीति के कारण देशभर में वाहन मालिकों और आम जनता को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वाहनों में तकनीकी खराबियां, माइलेज में गिरावट और मेटेनस खर्च में बढ़ोतरी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार जनता की आवाज को नजरअंदाज कर रही है। आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन केवल एक नीति के खिलाफ नहीं, बल्कि आम जनता के अधिकारों और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए है।

15 जुलाई थी अंतिम तिथि, इसमें 31 जुलाई तक की गई थी वृद्धि

नहीं मिले छात्र, ओडीएल प्रोग्राम के लिए दूसरी बार बढ़ाई गई तिथि, अब दाखिले 16 अगस्त तक

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

इग्नू ने ऑनलाइन डिस्टेंस लर्निंग अर्थात ओडीएल और ऑनलाइन मोड के तहत संचालित अलग-अलग प्रोग्राम्स में नए एडमिशन के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 16 अगस्त कर दी है। इससे उन उम्मीदवारों और नौकरीपेशा लोगों को ज्यादा समय मिल गया है, जो अब तक आवेदन नहीं कर पाए थे। यह वृद्धि केवल जुलाई शैक्षणिक सत्र के लिए है। यूनिवर्सिटी की ओर से बढ़ाई गई यह समय-सीमा सभी अधिसूचित कार्यक्रमों पर लागू होगी। इनमें स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स शामिल हैं। इनमें कई पाठ्यक्रम में रायपुर केंद्र सहित इग्नू के अन्य सेंटर्स में पर्याप्त आवेदन नहीं आए हैं। इस कारण भी इग्नू छात्रों को एक और मौका दे रहा है। इग्नू के अनुसार ऑनलाइन मोड के कार्यक्रम में एडमिशन लेने वाले उम्मीदवारों को इग्नू समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। ऑनलाइन डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन प्रोग्राम के लिए पृथक-पृथक लिंक दिए गए हैं। यूनिवर्सिटी ने उम्मीदवारों को सलाह

दाखिला निरस्त करने के 60 दिनों तक कर सकेंगे फीस रिफंड के लिए आवेदन

देते हुए कहा है कि अंतिम तिथि का इंतजार करने के बजाय समय रहते आवेदन पूरे कर लें, ताकि अंतिम समय में वेबसाइट पर बढ़ते ट्रैफिक या तकनीकी समस्याओं से बचा जा सके।

नहीं होगी दोबारा वृद्धि

जुलाई 2026 सत्र के तहत इग्नू अलग-अलग स्तर के कार्यक्रमों में एडमिशन दे रही है। इनमें स्नातक (बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए, बीसीए) स्नातकोत्तर (एमए, एमबीए, एमसीए, एमकॉम) डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स शामिल हैं। अभ्यर्थी अपनी योग्यता के अनुसार संबंधित प्रोग्राम का चयन कर आवेदन कर सकते हैं। इग्नू ने स्पष्ट किया है कि जुलाई 2026 सत्र में नए एडमिशन के लिए आवेदन की

अंतिम तिथि 16 अगस्त है। इसके बाद आवेदन प्रक्रिया बंद किया दी जाएगी। इनमें पुनः वृद्धि किए जाने की संभावना नहीं है।

वापस नहीं होगा पंजीयन शुल्क

आवेदन रद्द करने का विकल्प उम्मीदवार के लॉगिन अकाउंट में उपलब्ध होगा। आवेदन रद्द करने के लिए ईमेल भेजने की जरूरत नहीं है। आवेदन रद्द करना स्थायी प्रक्रिया है। एक बार आवेदन कैसिल होने के बाद उसे दोबारा बहाल नहीं किया जा सकेगा। रजिस्ट्रेशन शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। प्रवेश की पुष्टि होने से पहले जमा की गई फीस नियमों के अनुसार वापस की जा सकती है। यदि छात्र ने अध्ययन सामग्री की सॉफ्ट कॉपी का विकल्प चुना है, तो रिफंड करने समय रजिस्ट्रेशन शुल्क का लिया जाएगा। जिन छात्रों ने फीस छूट का लाभ लिया है और केवल रजिस्ट्रेशन और विकास शुल्क जमा किया है, उन्हें आवेदन रद्द करने पर केवल विकास शुल्क वापस किया जाएगा। प्रवेश की अंतिम तारीख के 60 दिन बाद फीस रिफंड का दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।



ITSA HOSPITALS
HEALTHCARE. HOSPITALITY. HARMONY.

पार्किसन पर जीत, समय पर शुरुआत

पाकिंसन के सामान्य लक्षण:

- कंपन (Tremors)
- धीमी गति
- जकड़न (Stiffness)
- संतुलन समस्या
- बोलने/लिखने में बदलाव



जल्दी पहचान = बेहतर जीवन

हर सोमवार दोपहर 12 से 3 बजे तक
(समर्पित पार्किंसन एवं मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक)

विशेष सेवाएं शामिल

- जटिल मोटर एवं नॉन-मोटर लक्षणों का मूल्यांकन व उपचार
- डीप ब्रेन स्टिमुलेशन के लिए जांच व फॉलो-अप



डॉ. अभिजीत कुमार कोहार
DM - न्यूरोलॉजी (S&PGIMS, लखनऊ)
क्लिनिकल फेलो - पाकिंसन रोग और मूवमेंट डिसऑर्डर (नेशनल न्यूरोलाइक इंस्टीट्यूट, रिंगापुर)

कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट और मूवमेंट डिसऑर्डर स्पेशलिस्ट
18+ वर्षों का अनुभव

समय पर इलाज, बेहतर जीवन आज ही संपर्क करें।



इंद्रया हॉस्पिटल्स, अक्बूजा सिटी सेन्टर
मॉल के पास, महु, टायपुट, छ.ग.



07714800000, 7880110000
www.itsahospitals.com



छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

व्यापम ने 27 केंद्रों में आयोजित की सिविल अनुरेखक भर्ती परीक्षा

सिर्फ रायपुर में बनाए गए सेंटर, 63 फीसदी एबसेंट, फूल चौक स्कूल में पहुंचे मात्र 41

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

अभ्यर्थी परीक्षा दिलाने नहीं पहुंचे, इसलिए केवल 36.86 प्रतिशत उपस्थिति ही दर्ज की गई। शकर्मचारी चयन मंडल ने 22 मई से 15 जून तक इन पदों के लिए आवेदन मांगे थे। इस अवधि में 8821 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 3252 परीक्षा में उपस्थित रहे, जबकि 5569 ने परीक्षा छोड़ दी। एक केंद्र में सिर्फ 41 परीक्षार्थी ही पहुंचे। यह व्यापम का केंद्र क्रमांक 2527 अर्थात फूल चौक स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ►►शेष पेज 6 पर



कम आवेदन के कारण सीमित केंद्र

अनुरेखक भर्ती परीक्षा के लिए व्यापम को दस हजार आवेदन भी नहीं मिल सके थे। कम आवेदन संख्या के कारण व्यापम ने केवल राजधानी में ही केंद्र बनाया। अधिक जिलों में केंद्र बनाने पर परिचयन, पर्यवेक्षक सहित अन्य मद मिलाकर लागत में वृद्धि हो जाती है। परीक्षार्थियों से बहुवैकल्पिक सवाल पूछे गए। एक अंक के 100 सवाल पूछे गए। इसे हल करने के लिए 120 मिनट अर्थात 2 घंटे का समय दिया गया। अनुरेखक का पद होने के कारण इंड्रिंग-डिजाइन संबंधित सवाल भी प्रश्नपत्र का हिस्सा रहे। क्षैतिज रेखाएं खींचने के लिए किस उपकरण का उपयोग किया जाता है, आइसोमेट्रिक प्रोजेक्शन कोण सहित डाइमेशन रेखा से जुड़े सवाल पूछे गए।



छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY 

चैनल नं. 1155 चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अमरनाथ यात्रा के लिए 3,886 श्रद्धालु रवाना

जम्मू। लगातार बारिश के कारण दो दिनों तक बंद रहे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के आंशिक रूप से बहाल होने के बाद 3,886 श्रद्धालुओं का एक नया जत्था भगवती नगर आधार शिविर से अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। एक दिन के विराम के बाद यात्रा का 25वां जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 177 वाहनों के काफिले में तड़के दो बजकर 52 मिनट पर जम्मू आधार शिविर से मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित बालटाल के लिए रवाना हुआ।

हवाई अड्डों से 11 करोड़ का सोना जब्त

कोच्चि। केरल के सीमा शुल्क विभाग ने विभिन्न हवाईअड्डों से पिछले एक सप्ताह को दौरान तस्करी कर लाया गया आठ किलोग्राम सोना जब्त किया है। बरामद सोने की कीमत 11 करोड़ रुपए से अधिक है। इस संबंध में पिछले एक सप्ताह के दौरान में कुल 14 मामले दर्ज किए गए और नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में केरल के छह और तमिलनाडु के तीन लोग शामिल हैं। ये अभियान राजस्व खुफिया निदेशालय और केरल पुलिस के सहयोग से चलाए गए।

कोकीन तस्करी गिरोह का किया पर्दाफाश

दीमापुर। नगालैंड पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का बंझाफेड किया है, जो कथित तौर पर व्यावसायिक कूरियर और पार्सल सेवाओं के जरिए कोकीन

मंगाकर उसकी तस्करी करता था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तोहुका सेमा उर्फ तोका, येका अवामी (30), बीरेश कुमार (22), अख्तर हुसैन (35) तथा मादक पदार्थों के परिवहन को सुगम बनाने वाले वितरण एजेंट स्वंधंडबा इंकाह (25) के रूप में हुई है।

चॉकलेट पैकेट में छुपा कर लाया 2.7 किग्रा गांजा

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने थाईलैंड के फुकेट से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चॉकलेट के पैकेट्स में छिपाकर लाया गया 2.7 किलोग्राम संदिग्ध 'हाइड्रोपोनिक गांजा' बरामद हुआ है। 'हाइड्रोपोनिक गांजा' एक उच्च गुणवत्ता और अधिक असरदार किस्म का गांजा होता है जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर पानी में उगाया जाता है। दो अगस्त को फुकेट से पहुंचे इस यात्री को उस समय रोका गया जब वह सीमा शुल्क विभाग का ग्रीन चैनल पार कर चुका था।



खबर संक्षेप

एजेंसी ►► वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि पश्चिम एशिया के सहयोगी देशों ने ईरान के साथ पांच महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह इस संघर्ष में ईरान पर नए सैन्य हमले का आदेश नहीं देंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इस समझौते में 'होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल और पूरी तरह खोलना तथा ईरान के परमाणु खतरे का अंत शामिल होगा। उन्होंने कहा, इस अनुरोध के आधार पर मैंने दुनिया के भविष्य के हित में और साथ ही एक सफल एवं समृद्ध ईरान के अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए फिलहाल हमलों को रोकने पर सहमति दी है, बशर्ते कि शीघ्र ही कोई समझौता हो सके। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमला किए जाने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप कई बार हमले रोकने की घोषणा कर चुके हैं।

अमेरिका सैन्य रूप से हर जवाब के लिए तैयार- ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप की सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक, अमेरिका सैन्य ताकत के मामले में पूरी तरह तैयार है और जरूरत पड़ने पर ईरान के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका के पास ऐसी सैन्य तैयारी है जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नहीं देखी गई। हालांकि ईरान और अन्य पश्चिमी एशियाई देशों ने अमेरिका के हमला न करने की अपील की है, क्योंकि समझौते की रूपरेखा लगभग तय हो चुकी है। इसमें होर्मुज को तुरंत खोलना शामिल है।

पांच महीने से चल रहे ईरान-अमेरिका संघर्ष के बीच एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि युद्ध खत्म करने के लिए संभावित समझौते के पैरामीटर्स तय कर लिए गए हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने फिलहाल ईरान पर नए सैन्य हमलों के आदेश रोक दिए हैं। इधर, ईरान ने ट्रंप के इस दावे को झूठा बताया और कहा-ईरान 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को खोलने की अनुमति नहीं देगा।



पूरी तरह खुलेगा होर्मुज स्ट्रेट

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है, ईरान और दूसरे मिडिल ईस्ट देशों ने हमसे अभी-अभी कहा है कि हम किसी भी हमले को रोक दें क्योंकि समझौते की सीमाओं पर सहमति बन गई है। इसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत पूरी तरह से खोलना और ईरान के न्यूक्लियर खतरे को खत्म करना शामिल होगा।

इजरायल भी नहीं करेगा कोई हमला

ट्रंप ने आगे बताया है कि पश्चिमी एशियाई देशों की अपील के बाद अमेरिका ने ईरान पर अपने नए हमलों को रोक दिया है। साथ ही ट्रंप ने ये भी कहा कि हमारे हमले कब तक रुके रहेंगे ये इस बात पर निर्भर करता है कि शांति समझौते को कितना जल्दी लागू किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के साथ-साथ इजरायल भी इस शांति समझौते का हिस्सा होगा और वह हमले नहीं करेगा।

अब तक 36 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त भारतमाला घोटाले में 12.78 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच

►► अटैच संपत्ति में 4.69 करोड़ मूल्य के शेयर और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स भी शामिल

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रायपुर जोनल ऑफिस ने भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला में शामिल आरोपियों की 12.78 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की है। जिन संपत्तियों को अटैच किया गया है, उनमें 4.69 करोड़ रुपए के शेयर और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स भी शामिल हैं। जांच एजेंसी ने मनी-लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए जय प्रकाश गांधी और 13 अन्य के खिलाफ विशेष विरोध मुआवजा पीएमएलएफ कोर्ट में एक सप्लीमेंट्री प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट (अतिरिक्त अभियोजन शिकायत) भी दायर की है। भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला में केंद्रीय जांच एजेंसी ने ईओडब्ल्यू, एसीबी द्वारा दर्ज अपराध के आधार पर जांच शुरू की थी। यह एफआईआर अभनपुर के तत्कालीन एसडीओ निर्भय साहू और अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई थी। इसके बाद ►►शेष पेज 6 पर

भारत माला परियोजना के घोटालेबाज अफसर दबोचे गए

वह है मृत माला

भारत माला परियोजना के घोटालेबाज अफसर दबोचे गए

वह है मृत माला

भारत माला परियोजना के घोटालेबाज अफसर दबोचे गए

वह है मृत माला

ज्यादा मुआवजा पाने जमीन को छोटे टुकड़ों में बांटा

जांच से पता चला कि जमीन मालिकों और निजी व्यक्तियों ने जमीन के दलालों और रेवेन्यू अधिकारियों के साथ आपराधिक मिलीभगत कर भारतमाला परियोजना निर्माण के लिए नॉटिफिकेशन जारी होने के बाद जमीन खरीदी और धोखाधड़ी से ज्यादा मुआवजा पाने उसके कई छोटे टुकड़े किए। इसमें परिवार के सदस्यों के नाम पर सेल डीड (खिती विलेख) और गिफ्ट डीड (दान विलेख) के जरिए किए गए हस्तान्तरण भी शामिल थे।

56.76 लाख की जमीन का मुआवजा 9.83 करोड़ मिला

ईडी की जांच से यह भी पता चला कि जय प्रकाश गांधी और उनके परिवार के सदस्यों को उनके 56.76 लाख रुपए मुआवजा के बदले 9.83 करोड़ रुपए का मुआवजा मिला। इसके बाद इस अवैध कमाई को कई चरणों में धुमाकर चल और अचल संपत्तियों, शेयरों, म्यूचुअल फंड और अन्य वित्तीय साधनों में निवेश किया गया। इसमें परिवार के सदस्यों और जुड़ी हुई फर्मों के नाम का भी इस्तेमाल किया गया। जांच में यह भी पता चला कि गांव नायकबंधा के अलग-अलग खसरा नंबरों वाली जमीन के टुकड़ों के लिए अलग जमीन मालिकों को भी इसी तरह ज्यादा मुआवजा मिला। इसके अलावा, उमा तिवारी ने दिवंगत जमीन मालिक की बेटी को गोद ली हुई बेटी बताकर जाली रेवेन्यू रिकॉर्ड के आधार पर गांव उगेतारा में जमीन के लिए लगभग 2.13 करोड़ रुपए का मुआवजा हासिल किया।

तन्वी ने रचा इतिहास जीता ताइपे ओपन का खिताब



ताइपे। 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वह इस खिताब को जीतने वाली किसी भी कैटेगरी की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनी हैं। यह उनका पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टाइटल भी है। तन्वी ने महिला सिंगल्स फाइनल में वियतनाम की छठी वरियता प्राप्त खिलाड़ी गृयेन थुई लिन्ह को 21-16, 21-16 से हरकर शाब्दर जीत हासिल की। वह साइना नेहवाल (2008) के बाद ताइपे ओपन जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला सिंगल्स खिलाड़ी बन गई हैं।

- खिताब को जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं
- वियतनाम की छठी वरियता प्राप्त खिलाड़ी थुई लिन्ह को हराया
- साइना नेहवाल (2008) के बाद ताइपे ओपन जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं
- तन्वी का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टाइटल

ग्लासगो के रेस्टोरेंट में पहुंची थी कॉमनवेल्थ विजेता बॉक्सर

भारत के नक्शे से नॉर्थ ईस्ट गायब, लवलीना ने लगाई लताड़

एजेंसी ►► ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों ने पदकों की बारिश कर दी। लेकिन जब यह पदक विजेता इसका जश्न मनाने पहुंचे तो उन्हें खासी निराशा का सामना करना पड़ा। असल में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय खिलाड़ियों का मिस्टर सिंथेस इंडिया-द होम ऑफ करी' में स्वागत किया गया। इस दौरान ओलंपिक पदक विजेता और कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली महिला बॉक्सर लवलीना का ध्यान नैपकिन पर छपे भारत के नक्शे पर गया। उन्होंने देखा कि भारत के नक्शे से नॉर्थईस्ट गायब है। लवलीना ने कहा कि उन्हें यह देखकर बेहद निराशा हुई। इसको लेकर उन्होंने लताड़ भी लगाई है।



असम को समर्पित किया पदक

बता दें कि लवलीना ने अपना पदक असम के लोगों को समर्पित किया है। लवलीना ने रविवार को ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस समय असम की ज़ि स्थिति है, वह मेरे लिए काफी दुःख है। असम के लोगों को इस स्थिति में देखकर मुझे बहुत बुरा लग रहा है। बाद खत्म होने के बाद भी लोगों को कई परिश्रानियों का सामना करना पड़ता है। असम में बाद से सात जिलों में लगभग 1.78 लाख लोग प्रभावित हैं।

इंडोनेशिया में बड़ा समुद्री हादसा

यात्री नौका में लगी आग पांच की मौत, 41 लापता



एजेंसी ►► सुराबाया

इंडोनेशिया के जावा द्वीप के पास रविवार को 271 लोगों को ले जा रही एक नौका में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और करीब 41 लोग लापता हो गए, जबकि बचाव दल और वहां से गुजर रहे जहाजों ने जलती हुई नौका से सैकड़ों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। 'मुटियारा सेंटोसा 2' नौका देश के दूसरे सबसे बड़े शहर जावा के सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर शहर जा रही थी।

जान बचाने के लिए समुद्र में कूदे यात्री

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और चश्मदीदी के मुताबिक, देखते ही देखते पूरी फेरी से काला धुआं और ऊंची लपटें उठने लगीं। जहाज पर सवार कई यात्रियों ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी और वे आग से बचने के लिए जहाज के अगले हिस्से और बिज की ओर जगमो जगमो कर रहे थे। अपनी जान बचाने के लिए दर्जनों यात्री उफन्ते समुद्र में कूद गए।

खिलाड़ियों के स्वागत के दौरान

सामने आया मामला

यह मामला उस समय सामने आया, जब कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय दल के सदस्यों का स्वागत मिस्टर सिंथेस इंडिया-द होम ऑफ करी' रेस्टोरेंट में किया गया। यहां खिलाड़ियों को जिन कागजों के नैपकिनों के साथ भोजन परोसा गया, उन पर भारत का गलत नक्शा छपा हुआ था।

भारतीय मुक्केबाजी

महासंघ ने कही यह बात

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने इस बारे में पूछे जाने पर रविवार को कहा कि हम वहां रात्रिभोज के लिए गए थे। हमें वहां यह गलती देखी। मैंने और लवलीना ने इसकी जानकारी रेस्टोरेंट मैनेजमेंट को दी। उन्होंने इसके लिए हमसे माफ़ी मांगी और कहा कि वे सही नक्शे वाले नए नैपकिन मंगवा रहे हैं। इस बारे में रेस्टोरेंट को बताना हमारा फर्ज था और हमने वही किया।

इस तरह के सवाल

- मल्टीमीडिया में इमेज की स्पष्टता को कौन सा पैरामीटर प्रभावित करता है?
- कौन-सी डिवाइस प्रलैश मेमोरी का उपयोग करता है?
- मल्टीमीडिया विकास के चरण बताइए।
- कपड़ा का पर्यायवाची शब्द कौन-सा है?
- 'सप्तर्षि' में प्रयुक्त संधि का क्या नाम है?
- 'देशभक्ति' में कौन-सा समास है?
- वीर रस का स्थायी भाव क्या है?
- 'स्मार्ट' सिटी मिशन किस वर्ष प्रारंभ हुआ?
- छत्तीसगढ़ में जनसंख्या घनत्व (जनगणना 2011) कितना है?
- भारत के प्रथम चुनाव आयुक्त कौन थे?
- काली मिट्टी मिलने वाले राज्य कौन से हैं?
- भारत में किस वर्ष प्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा की गई थी?
- 1857 की क्रांति के शहीद मंगल पांडे किस छावनी के सैनिक थे?
- छत्तीसगढ़ के आदिवासी विद्रोहों का क्रम।

चिंतन

नशामुक्त युवा विकसित भारत की मजबूत नींव

नशा किसी एक व्यक्ति की जिंदगी बर्बाद करने वाला अभिशाप भर नहीं है, यह समाज और राष्ट्र की ताकत को भीतर से कमजोर करने वाला गंभीर खतरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान’ की शुरुआत करते हुए इसकी सप्लाई को दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा बताया है। उनका यह बयान नशे की समस्या को केवल स्वास्थ्य या कानून-व्यवस्था के सवाल से आगे ले जाकर राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ता है। यदि किसी देश के युवाओं को सुनियोजित तरीके से नशे की गिरफ्त में धकेलने की कोशिश होती है तो उसका मुकाबला भी उतनी ही गंभीरता और रणनीति के साथ करना होगा। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास, आधुनिक तकनीक और मजबूत बुनियादी ढांचे से पूरा नहीं होगा। इसकी सबसे मजबूत नींव देश का स्वस्थ, शिक्षित, सक्षम और नशामुक्त युवा होगा। नशा युवाओं के सपनों पर सबसे पहले हमला करता है। जिस उम्र में युवा शिक्षा हासिल कर सकता है, हुनर विकसित कर सकता है, खेल में आगे बढ़ सकता है या अपना कारोबार शुरू कर सकता है, उसी उम्र में नशे की गिरफ्त उसका भविष्य रोक सकती है। नशा कुछ समय के लिए मानसिक उत्तेजना या राहत का भ्रम दे सकता है, लेकिन इसकी कीमत स्वास्थ्य, पैसा, रिश्तों और करियर से चुकानी पड़ती है। प्रधानमंत्री ने इस की सप्लाई को दुश्मन देशों की आतंकी साजिश से जोड़ते हुए जिस खतरे की ओर संकेत किया है, उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। यदि नशीले पदार्थों की तस्करी के पीछे संगठित अपराध और देशविरोधी नेटवर्क सक्रिय हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था का अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की लड़ाई भी है। इस के उत्पादन, तस्करी और वितरण से जुड़े पूरे नेटवर्क को तोड़ना होगा। सीमाओं से लेकर शहरों और गांवों तक पहुंच चुकी सप्लाई चैन पर लगातार और प्रभावों निगरानी जरूरी है। हालाँकि केवल तस्करो पर कार्रवाई से नशे की समस्या खत्म नहीं होगी। जितनी जरूरी सप्लाई रोकना है, उतना ही जरूरी नशे की मांग को कम करना भी है। इसके लिए परिवारों, स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को आगे आना होगा। युवाओं को नशे के नुकसान के बारे में केवल भाषण देने से बात नहीं बनेगी। उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के ठोस अवसर देने होंगे। खेल के मैदान, कौशल विकास, रोजगार, स्टार्टअप, कला, संगीत और रचनात्मक गतिविधियां युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा दे सकती हैं। इसी दृष्टि से अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार नशामुक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की पहल को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने जरूरी है। किसी अभियान की सफलता केवल शपथ लेने या कार्यक्रम आयोजित करने से नहीं मापी जा सकती। असली सफलता तब होगी, जब नशे की उपलब्धता घटे, युवाओं में जागरूकता बढ़े और नशे की गिरफ्त में आ चुके लोगों को समय पर उध्‍चार और पुनर्वास मिले। नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा, जब सरकार की सख्ती और समाज की संवेदनशीलता साथ चलें। तस्करोँ के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो, लेकिन युवाओं के लिए बेहतर शिक्षा, खेल, रोजगार और स्वस्थ मनोरंजन के रास्ते भी खुलें। परिवार बच्चों से संवाद बढ़ाएं और शिक्षण संस्थान केवल परीक्षा परिणाम नहीं, विद्यार्थियों के मानसिक और सामाजिक विकास पर भी ध्यान दें। नशामुक्त युवा ही स्वस्थ समाज की ताकत और विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव हैं।

विचार

पंकज झा



गांधीवादियों द्वारा गांधी का अवमूल्यन

नीट पेपर लीक से संबंधित विवाद और कथित जेनजी के आंदोलन को अनेक अलग-अलग एंजल से देखा जा सकता है। बौद्धिक वर्ग अन्य तमाम आंदोलनों की तरह ही इसे भी अपनी-अपनी सझझ अनुसार व्याख्यायित करने की कोशिश कर रहे हैं। हालाँकि तमाम व्याख्याओं में तथ्यों का सम्यक विश्लेषण कम, अप्रो-अपने पक्ष का पोषण अधिक दिखता है। यहां तक भी ठीक वहां जा सकता है क्योंकि नीर-क्षीर मूल्यांकन का युग अब बीत चुका। तटस्थता अब पूरी तरह से समय का अपरध जैसा हो गया है। निष्पक्षता का अब कोई पक्ष शेष शेष नहीं। अब तो बस आप झूठर हैं या उधर। आप पक्ष में होते हैं या विरुद्ध। युग के इस चलन को अब ‘व्यु नार्मल’ माना जा रहा है। यह भी शायद ठीक हो, किंतु गलत यह हुआ है कि ‘गांधीवाद’ को भी अब इसका अपवाद नहीं रहने दिया गया। जिस तरह वर्तमान जंतर-मंतर प्रकरण में गंदी-गंदी गालियों का उपयोग सार्वजनिक रूप से किया गया, वैसी सभी गालियों को जिस तरह ऐसे-ऐसे लोगों ने भी एंडोर्स किया, जिन्होंने स्वयं को गांधीवादी के रूप में स्थापित किया हुआ है, वह सबसे अधिक क्षीम पैदा करने वाला है। ऐसे तत्वों ने गांधी विचार को इतना अधिक कमजोर कर दिया है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में मुश्किल है। कुमार प्रशांत ने कथित जेनजी को संबोधित एक पत्रगुना लेख में लिखा - ‘धर्मद प्रधान का इस्तीफा एक आदमी का इस्तीफा नहीं है, सत्ता के अहंकार को टूटने की गूंज है। वह टूटा यह अजब हुआ। लेकिन तुम याद रखना कि वोट खया साप ज्यादा खतरनाक होता है। साफ़ जग भीड में बदल दिया जाता है, तब वह हच्यारा हो उठता है, जिसे राष्ट्रवाद का नाम दिया जाता है। क्या किसी कथित गांधीवादी से इस तरह की भाषा की अपेक्षा की जा सकती है? सीधे तौर पर उस सरकार या प्रधानमंत्री के लिए ‘सांप’ जैसे शब्द का उपयोग किया जा रहा है, जिन्होंने अधिकतम संयम का परिचय देते हुए न केवल पूरी शिक्षा प्रक्रिया में आवश्यक सुधार किए, आवश्यक नहीं होते भी अपने मंत्री का इस्तीफा लिया बल्कि स्वयं को और अपनी दिवंगत माता को मिल रही भद्दी-भद्दी गालियों को भी क्षमा कर दिया।

सवाल यहां केवल कुमार प्रशांत का ही नहीं है। तमाम ऐसे लोग जो स्वयंमू गांधीवादी कहे जाते हैं, उन्होंने इस दौरान गांधीवाद की ऐसी-ऐसी व्याख्या कर दी, जिसे आज अगर गांधी होते तो धर्म से डूब जाते। सवाल यहां एक पेपर लीक का था, जिसे रद्द कर क्या परीक्षा भी हो गया, परिणाम भी आ गया, छात्रों ने प्रवेश भी ले लिए, किंतु इस बहाने जिस तरह बड़े कहे जाने वाले लोगों ने अपनी कृपा का प्रदर्शन किया है, वह तकलीफदेह है। नीट पेपर लीक की खबर आयी। सरकार ने उसका खंखान लिया। परीक्षाएं रद्द हुईं। अपराधियों पर कार्रवाई हुई। उससे पहले सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के टिप्पणी से उत्पन्न बवाल से पैदा हुए एक मजक्रीया पेज वाररल कर दिया गया। मीडिया की पढाई करने अमेरिका जा कर वहीं नकरी तलाश रहे एक बेरोजगार युवक ने इसे एक मीक के रूप में देखा, उसे एक भुट्टे के तलाश थी, जो नीट पर जा कर पूरी हुई। सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल, उपद्रवियों के भीड का संसद तक जाने की कोशिश। उपद्रवियों की रोका जाना। वांगचुक के भूख हड़ताल की समाप्ति। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मद प्रधान का इस्तीफा। शिक्षा सुधार पर नए कानून को संसद की स्वीकृति। इस तमाम घटनाक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा क्या कर दिया जिसके लिए उन्हें इस तरह लाछित किया जाए? फेस रिकॉनिशन समेत तमाम तरह के उपकरण इस बात की गवाही देते हैं कि भद्दी-भद्दी गालियां देने वाले न तो छात्र थे और न ही कथित जेनजी।

छात्रों के जीवन को कभी आंकड़ों से नहीं तौला जाना चाहिए। किंतु सामाजिक अध्ययन आप बिना आंकड़े के कर भी नहीं सकता। अभी बार-बार नीट लीक के कारण कुछ छात्रों द्वारा आत्महत्या की बात को विषय बनाया जा रहा है। निस्संदेह दुखद है किसी एक भी छात्र-छात्रा का इस तरह जाना, लेकिन क्या यह संभव है कि नीट की परीक्षा दुबारा आयोजित होने के कारण कोई छात्र जान दे दे? जिस परीक्षा में लगभग 95प्रतिशत छात्र को विफल ही होना हो, वे इंटरनेट नहीं बन सकते, जहां इस गंथा से ही छात्र आते हों कि उन्हें अनेक अटैम्प्ट देने होंगे, वे माह भर बाद दुबारा होने वाले परीक्षा से पहले आत्महत्या कर लेंगे? ऐसी आत्महत्याओं के अलग समाजशास्त्रीय कारण होते हैं, विशेषकर अभिभावकों की अपेक्षा पर खरा नहीं उतर पाने की किता इसका सबसे बड़ा कारण होता है। ऐसी दुखद घटनाओं को समाजशास्त्रीय-मण्डैवैज्ञानिक नजरिये से देखने, इसका अध्ययन किए जाने के आवश्यकता है। किंतु आज इस पेपर लीक को ऐसा आक्षेप का कारण बना देना और इस बहाने समाज में हर तरह का विभेद पैदा करना, गांधीवाद के नाम पर हिंसक आवरण और भाषा का समर्थन करना अनौचित है। जहां इस प्रकरण में अप्रत्याशित रूप से शासन ने मूल गांधीवाद को अपने आवरण में जिया है, बार-बार पूर्ण बहुमत से चुना जाना, अधिकांश राज्यों में पूर्ण बहुमत की सरकारें समेत तमाम प्रकार की शक्तियां होने, फिर भी लगातार संविद्ध तत्वों द्वारा उकसाए जाने के बावजूद जैसे संयम, अहिंसा, शालीनता और बड़े हृदय का परिचयसरकार ने दिया है, निःसंदेह आज गांधी होते तो इस पर प्रश्नन होते। इसके उल्टे पेशेवर गांधीवादियों ने जितना निराश किया है, जिस तरह से उन्होंने अपने शब्दों और कृत्यों से हिंसा को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ा है, वह शर्मनाक है। सवाल केवल किसी एक कुमार प्रशांत का नहीं है। ऐसे तमाम लोग जिनका दाना-पानी आज भी ‘गांधी’ हैं, उन सबने अपने कृत्यों से गांधी की कलंकित किया है। आज गांधी होते तो यही प्रार्थना करते ईश्वर से कि उन्हें ऐसे कथित गांधीवादियों से मुक्ति दे दे। शायद वे इनके विरुद्ध अनशन पर ही बैठ जाते। जंतर-मंतर के हालिया प्रकरण के अनेक निहितार्थ होने, किंतु गांधीवाद का इस तरह अवमूल्यन अन्य सभी परिणामों से अधिक भयंकर है। भारत अपने इस पहचान को इस तान्द व्यो कर तो खचकतु विप्लव हो जाएगा। गांधीवादियों ने समाज को वास्तव में बेतरह निराश किया है। इनकी सन्मति दे भगवान।



राष्ट्रमंडल खेल

महेन्द्र तिवारी

>>

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने ठीक ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। जब रिंग में भारत के मुक्केबाज उतर रहे थे तो उनके चेहरों पर एक अलग ही आत्मविश्वास और आंखों में जीत की अचूक चमक थी। यह चमक केवल एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसके पीछे सालों का पसीना, अनगिनत संघर्ष और वैश्विक पटल पर खुद को साबित करने की अदम्य इच्छाशक्ति छिपी थी। भारतीय मुक्केबाजों ने ठीक ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। जब रिंग में भारत के मुक्केबाज उतर रहे थे तो उनके चेहरों पर एक अलग ही आत्मविश्वास और आंखों में जीत की अचूक चमक थी। यह चमक केवल एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसके पीछे सालों का पसीना, अनगिनत संघर्ष और वैश्विक पटल पर खुद को साबित करने की अदम्य इच्छाशक्ति छिपी थी। भारतीय दल ने इस बार बॉक्सिंग इवेंट के दस फाइनल मुकाबलों में हिस्सा लिया और सभी दस में पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय मुक्केबाजी अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। सात स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतना कोई सामान्य बात नहीं है। यह रजत पदक जीतना कोई सामान्य बात नहीं है।

भारतीय बॉक्सिंग में सुनहरा अध्याय

खेलों की दुनिया में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो इतिहास के पन्नों पर हमेशा के लिए स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो जाते हैं। ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने ठीक ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। जब रिंग में भारत के मुक्केबाज उतर रहे थे तो उनके चेहरों पर एक अलग ही आत्मविश्वास और आंखों में जीत की अचूक चमक थी। यह चमक केवल एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसके पीछे सालों का पसीना, अनगिनत संघर्ष और वैश्विक पटल पर खुद को साबित करने की अदम्य इच्छाशक्ति छिपी थी।

भारतीय दल ने इस बार बॉक्सिंग इवेंट के दस फाइनल मुकाबलों में हिस्सा लिया और सभी दस में पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय मुक्केबाजी अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। सात स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतना कोई सामान्य बात नहीं है। यह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारत का अब तक का सबसे बेहतरीन मुक्केबाजी प्रदर्शन है जिसने देश का सिर फक्र से ऊंचा कर दिया है। इस ऐतिहासिक सफलता को केवल पदकों की संख्या से नहीं आंका जा सकता है। इसके पीछे भारत के छोटे शहरों, गांवों और कवनों से निकलकर आई उन प्रतिभाओं की कहानी है जिन्होंने तमाम अभावों के बावजूद अपने सपनों को भरने नहीं दिया। जब हम मुक्केबाजी की बात करते हैं तो हरियाणा के भिवानी और रोहतक जैसे स्थानों का जिक्र आना स्वाभाविक है, लेकिन इस बार पदक विजेताओं की सूची इस बात की गवाही देती है कि अब खेल का यह जुनून पूरे देश में फैल चुका है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की दूरदर्शी नीतियां, सरकार का निरंतर समर्थन और प्रशिक्षकों की दिन-रात की मेहनत ने मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया है जहां अब केवल हिस्सा लेने के लिए नहीं, बल्कि जीतने के लिए खिलाड़ी रिंग में उतरते हैं। इस ब्राह का प्रदर्शन इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारतीय मुक्केबाज अब तकनीकी और शारीरिक दोनों ही मोर्चों पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को धूल चटाने का माद्दा रखते हैं। इस अभूतपूर्व सफलता में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली बात भारतीय महिला मुक्केबाजों का दबदबा रहा है।

महिला वर्ग में भारत ने पांच अलग-अलग भार वर्गों में सीधे स्वर्ण पदक अपने नाम किए जो महिला सशक्तिकरण की एक जीती जागती मिसाल है। 51 किलोग्राम भार वर्ग में साक्षी चौधरी, 54 किलोग्राम में प्रीति पवार, 57 किलोग्राम में जैस्मिन लंबोरिया, 60 किलोग्राम में प्रिया घणघस और 70 किलोग्राम भार वर्ग में अरुंधति चौधरी ने जिस आक्रामकता और तकनीकी

आध्यात्मिक चेतना आखिर क्या है ?

आज मनुष्य अत्यधिक भौतिकवादी तथा लालची हो गया है। बलिदान, त्याग, संतोष, प्रज्ञा, चिंतन-मनन, मुक्ति और मोक्ष जैसे शब्द हमारे शब्दकोश से धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, जो कि आध्यात्मिक मूल्यों के द्योतक रहे हैं। व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग-विलास से पोषित भौतिकवाद की नई उभरी संस्कृति ने आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन-अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन-प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य है। सभी धर्मों ने लालच को महापाप कहा है, परंतु आज लालच ही मुख्य प्रेरणा-द्धार है। ऋषि-मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है-धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्षा। अर्थ तथा काम संसारिक मूल्य हैं, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं, परंतु धर्म का स्थान सर्वदा प्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा नियंत्रक है। जीवन के हिंदू दृष्टिकोण के अनुसार, सार्विक सर्वाधिक ऊंचा आदर्श है। इसके बाद राजसी का स्थान है, जो एक आदर्श नहीं, परंतु सामाजिक आवश्यकता है। तामसिक सबसे अधिक अपमानजनक वृत्ति है, जिससे सभी बुद्धिमान दूर रहते हैं। मनु की पद्धति में सतत्व को न्याय की संज्ञा दी गई है, राजस को आकांक्षा की तथा तमस को इच्छाओं की। महापुरुषों ने चिंतन-मनन को मनुष्य के परम आनंद के रूप में देखा। आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित जीवन ही मानव गतिविधियों का सर्वोत्तम रूप है।

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

संकलित प्रेरणा

विचार हरिभूमि 2

मुकाबले बहुत ही करीबी अंतर से खूट जाते हैं, लेकिन लवलीना का पोज़ियम तक पहुंचना यह बताता है कि उनके अंदर अभी भी खेल के प्रति वही पुरानी आग बाकी है। उनकी उपस्थिति मात्र से ही युवा खिलाड़ियों को बहुत कुछ सीखने को मिला होगा। एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में उन्होंने पूरे दल का मार्गदर्शन किया और उनका यह अनुभव भविष्य की प्रतियोगिताओं में भारत के लिए बहुत उपयोगी साबित होने वाला है। इस जीत के पीछे के विज्ञान और तकनीकी पहलुओं को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

आज के दौर में मुक्केबाजी केवल ताकत का खेल नहीं रह गया है।यह दिमाग, तकनीक, स्पोर्ट्स साइंस और वीडियो एनालिटिक्स का एक जटिल मिश्रण बन चुका है। भारतीय मुक्केबाजों की इस सफलता के पीछे उनके कोच और स्पोर्ट स्टॉफ का एक बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने हर विरोधी खिलाड़ी की कमजोरियों का बारीकी से अध्ययन किया और उसी के अनुसार रणनीतियां बनाईं। खिलाड़ियों की डाइट से लेकर उनकी मानसिक सेहत तक हर छोटी-छोटी बात का ख्याल रखा गया। हाल ही में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा जो भारी भरकम बजट आवंटित किया गया है, उसका असर अब जमीन पर दिखने लगा है। जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को तराशने की जो मुहिम शुरू की गई थी, वह अब वटवृक्ष का रूप ले रही है। जब किसी एथलीट को विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलती हैं तो उसका आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है और यही आत्मविश्वास हमें ग्लासगो के बॉक्सिंग अरीना में देखने को मिला। राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी के इस स्वर्णिम प्रदर्शन ने भारत की समग्र पदक तालिका में भी एक बड़ा सछाल ला दिया है।

इसके कारण भारत अंक तालिका में शीर्ष देशों की कतार में मजबूती से खड़ा हो गया है। एक समय था जब भारत केवल शूटिंग या कुरुती जैसे कुछ गिने-चुने खेलों ही पदकों के लिए निर्भर रहता था, लेकिन अब मुक्केबाजी ने भी खुद को एक प्रमुख खेल के रूप में स्थापित कर लिया है। यह बदलाव रातोरात नहीं आया है। वर्ष दो हजार अठारह के गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने तीन स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीते थे, जो उस समय तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। लेकिन अब उस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए दस पदक और उनमें भी सात स्वर्ण जीतना एक बहुत बड़ी छलांग है। भारतीय मुक्केबाजी का यह स्वर्णिम युग अभी बस शुरू ही हुआ है और आने वाले समय में यह खेल दुनिया भर में भारत का नाम और भी रोशन करेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर देख सकते हैं।

कोयल- अपनी वाणी को मधुर बना लेना

एक बार वसंत ऋतु में एक कोयल वृक्ष पर बैठी कूक रही थी। आते-जाते लोग उसकी कूक को सुनते और उसकी सुरीली आवाज का आनंद लेते हुए उसकी तारीफ के पुल बांधते। कुछ देर बाद कोयल के सामने एक कौआ तेज गति से आया। कोयल ने उससे पूछा: इतनी तेज गति से कहां जा रहे हो? कुछ देर बैठो, बातें करते हैं। कौए ने उत्तर दिया: कि वह जरा जल्दी में है और देश को छोड़कर परदेस जा रहा है। कोयल ने इसका कारण पूछा तो कौआ बोला: यहां के लोग बहुत खराब हैं। सब तुम्हें ही चाहते हैं। सभी लोग सिर्फ तुम्हारा आदर करते हैं। वह यही चाहते हैं कि तुम हमेशा की तरह इसी प्रकार से उनके क्षेत्र में जाती रहो। वहीं जहां तक मेरी बात है तो मुझे कोई देखना तक नहीं चाहता। यहां तक कि मैं किसी की मुंडेर पर बैठता हूं तो मुझे कंकड़ मारकर वहां से भगा दिया जाता है। मेरी आवाज भी कोई नहीं सुनना चाहता। जहां मेरा अपमान हो, मैं ऐसे स्थान पर एक क्षण भी नहीं रहना चाहता। ज्ञानियों ने भी हमें यही शिक्षा दी है कि अपमान की जगह पर नहीं रहना चाहिए। यह सुनकर कोयल बोली, परदेस जाना चाहते हो तो बड़े शौक से जाओ। वह पूरी तरह से तुम्हारी इच्छा पर निर्भर है। लेकिन एक बात का संदेह ध्यान रखना कि वहां जाने से पहले अपनी आवाज को बदल लेना। अपनी वाणी को मधुर बना लेना। यदि तुम्हारी वाणी ठीक वैसी ही कठोर रही, जैसी यहां पर है तो परदेस में भी लोग तुम्हारे साथ वही व्यवहार करेंगे जो अभी हो रहा है। संसार जो है, जैसा भी है, उसे बदला नहीं जा सकता।

टैंड

जयंती पर श्रद्धांजलि

पिंगली वेकर्या को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि। उन्हें हमारे देश को दिया देने में उनकी अमूल्य भूमिका के लिए याद किया जाता है। उनकी कोशिशें लोगों को देशसेवा करने के लिए प्रेरित करती रहे। -**नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

कॉमनवेल्थ गेम्स

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की 5000 मीटर टैंड में बैंजम गैडल जीतकर, गुलवीर सिंह 5000 मीटर और 10000 मीटर टैंडोने इंग्लैंड में कॉमनवेल्थ गेम्स पर जगह बनाने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। उम्मीद है कि आगे भी आप कई यादगार जीत हासिल करेंगे। - **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

जर्सी का रंग

भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग बदलने का फैसला सिर्फ खेल से जुड़ा मामला नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं और हमारी खेल परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। आज इस ऐतिहासिक पहचान को बदलने की जरूरत क्यों महसूस की गई। - **मल्लिकार्जुन खड़गे**, अरुंध, कांग्रेस

इथेनॉल का आयात

सिर्फ टप को सुधर करने के लिए मोदी जी हमारे देश पर जबरदस्ती इथेनॉल थोप रहे हैं।अमेरिका दुनिया में इथेनॉल का सबसे बड़ा उत्पादक है। ई 20 लाख टने के बाद, भारत पिछले साल के मुकाबले अमेरिका से 5 गुना ज्यादा इथेनॉल आयात करेगा। -**अरविट केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपुर, बिलासपुर
फोन : 401050,271016,फैक्स-271018

ई-मेल : haribhoomibsp@gmail.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com



सूरत में श्मशान घाट में भरा पानी

गुजरात के सूरत में फिलहाल बारिश रुक गई है, लेकिन किम नदी का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है। नदी के किनारे स्थित मुक्तिधाम श्मशान घाट पानी में डूब गया, जिसके चलते लोगों को अंतिम संस्कार के लिए दूसरे श्मशान घाटों पर जाना पड़ रहा है।



सूरत

कुदरत का कहर! बिहार में 6 लोगों की मौत

केरलम-कनटिक में लैंडस्लाइड से गईं 11 जानें

हरिभूमि न्यूज़ ॥ नई दिल्ली

देश के कई हिस्सों में मानसून लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। कहीं लगातार बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं, तो कहीं लैंडस्लाइड से सड़कें बंद कर दी हैं। सबसे ज्यादा असर केरलम में देखने को मिला है, जहां भारी बारिश और लैंडस्लाइड से 8 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग अब भी लापता हैं। वहीं कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। राजस्थान के 24 जिलों में बारिश हो रही है। इसकी वजह से अजमेर की सड़कों पर पानी भर गया।



किरतवाड़

जम्मू कश्मीर में लगातार बारिश, भूस्खलन

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में रविवार सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है। अनेक जगह भूस्खलन होने के कारण जहां भारी नुकसान हुआ है वहीं कई लोग बेघर हो गए हैं। भूस्खलन के कारण कई मार्ग बंद हो गए हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिन और बारिश की संभावना जताई है।



झारखंड

खबर संक्षेप

तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

महाराजगंज। तालाब में नहाने गए तीन किशोरों की डूबने से मृत्यु हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया। एक किशोर की सूझबूझ से घटना की जानकारी स्वजन और ग्रामीणों तक पहुंची, जिसके बाद पुलिस, गोताखोरों और ग्रामीणों ने बचाव अभियान चलाया। हालांकि तीनों किशोरों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने तक काफी देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिसवा के मीराबाई नगर के वार्ड नंबर 25 स्थित पोखरा टोला निवासी राजेश्वर (13), नीतीश यादव (14), रोहन (13) और कृष्णा रैनिवार (15) रविवार दोपहर गांव के निर्माणाधीन तालाब में नहाने गए थे। नहाते समय नीतीश, रोहन और कृष्णा गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उनके साथ मौजूद राजबीर ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद वह दौड़कर गांव पहुंचा और शोर मचाते हुए स्वजन व ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण तालाब की ओर दौड़ पड़े। इसी दौरान पुलिस को भी सूचना दी गई। कोठीभार थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों तथा ग्रामीणों की मदद से बचाव अभियान शुरू कराया। काफी मशक्कत के बाद तीनों किशोरों को पोखरे से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिसवा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर फैलते ही अस्पताल और गांव में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्वजन की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया।

बालाघाट में बाघ के हमले से महिला की मौत

बालाघाट। मध्यप्रदेश के कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन से लगे बालाघाट के बैहर क्षेत्र में शनिवार रात बाघ के हमले से 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। परंपुर बैगाटोला गांव में बाघ घर के भीतर घुसा और सो रही महिला को मुंह में दबाकर बाहर ले गया। परिवार के लोगों के शोर मचाने पर बाघ महिला को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। घटना के बाद गांव में भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार, परंपुर बैगाटोला निवासी सुगनी बाई धुर्वे (45) शनिवार रात खाना खाने के बाद परिवार के साथ घर में सो रही थीं। रात करीब डेढ़ बजे जंगल की ओर से भटकरकर आया बाघ घर में घुस गया। सोते समय ही उसने सुगनी बाई पर हमला कर दिया और उन्हें मुंह में दबाकर घर से बाहर ले जाने लगा। अचानक हुई हलचल और महिला की आवाज से परिवार के लोग जाग गए। उन्होंने दौंच जलाकर बाहर निकलते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि घर के पास ही बाघ दलदली जमीन में फंस गया था। लोगों की लगातार आवाज और हलचल से घबराकर उसने महिला को वहीं छोड़ दिया और जंगल की ओर भाग गया। परिजन गंभीर रूप से घायल सुगनी बाई को रात करीब तीन बजे बैहर के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे।

पीएम मोदी ने लॉन्च किया नशा मुक्त अभियान

भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा, हम कामयाब नहीं होने देंगे : मोदी

हरिभूमि न्यूज़ ॥ नई दिल्ली

पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकास' भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को हमें मिलकर नाशमान करना होगा। विकासित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा। यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए



देशभर के 28 हजार से ज्यादा स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया।

प्रमुख हस्तियों सहित 1 करोड़ से ज्यादा युवा हुए

शामिल : कार्यक्रम में कई प्रमुख हस्तियां भी शामिल हुईं। इनमें आध्यात्मिक गुरु- अम्मा, श्री श्री रविशंकर, दाजी, डॉ. चिन्मय पंड्या और स्वामी ब्रह्मविहारीजी भी वचुंअली जुड़े। इसके अलावा कई मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। अभियान में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए। 'नशा मुक्त युवा फॉर विकास' भारत संकल्प अभियान' सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले देशभर के युवाओं ने एक साथ 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ली।

नशा सपनों और परिवार दोनों को तोड़ देता है

पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटककर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, एआई और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और माई-बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है।

नशा व्यक्ति नहीं देश को कमजोर करता है

पीएम ने कहा, नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं। सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करो के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

ड्रग्स थोड़ी देर का आनंद छोड़ने वाले असली योद्धा

मोदी ने कहा ड्रग्स कुछ समय के लिए आनंद देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। पीएम ने कहा कि नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं। किसी व्यक्ति का अतीत उसकी पहचान नहीं होता, बल्कि मुश्किलों से बाहर निकलने का उसका साहस उसकी असली पहचान होता है।

नशे के खिलाफ जन आंदोलन बनाने की कोशिश

यह अभियान 125 से ज्यादा आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। सरकार चाहती है कि इस अभियान में स्कूल, कॉलेज, युवा संगठन, सामाजिक संस्थाएं, उद्योग संगठन और आध्यात्मिक संस्थाएं मिलकर काम करें। उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस मुहिम से जुड़ें और नशे के खिलाफ इसे जन आंदोलन बनाया जाए।

100 हफ्तों तक हर रविवार कार्यक्रम होगा

इस कार्यक्रम का मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। यह अभियान अगले 100 हफ्तों तक चलेगा। इसके तहत हर रविवार देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे, जिनके जरिए लोगों को नशे के नुकसान बताए जाएंगे और नशा मुक्त भारत का संदेश दिया जाएगा।

ड्रग्स माफिया पर कार्रवाई कई गुना बढ़ी

देश में नशे के कारोबारियों और तस्करो के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त की जा रही है और कार्रवाई पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की नशे के खिलाफ ज़ोरों टॉलरेंस नीति का प्रमाण है।

सुरक्षा बलों ने चलाया अभियान

मणिपुर में 9 उग्रवादी गिरफ्तार

हथियार, 6 आईईडी बरामद



इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पिछले 24 घंटों के दौरान प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से जुड़े नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उनसे हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी साझा की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मणिपुर पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के संयुक्त अभियान में थोउलंग, तामेंगलोंग, काकचिंग, चंदेल, इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों से नौ उग्रवादियों को पकड़ा गया। पकड़े गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठनों में कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके पॉलिटिकल विंग रिवोल्यूशनरी पीपल्स फ्रंट (आरपीएफ) नेशनल सोशलिस्ट कार्डसिल ऑफ गगलैंड-खापलंग और पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेइपाक से जुड़े हैं। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए उग्रवादी कई तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे, जिनमें अपहरण और जबरदस्ती चंद वसूलना शामिल है। उग्रवादी संगठन रंगदारी के लिए अक्सर चंदा शब्द का इस्तेमाल करते हैं। सुरक्षाकर्मियों ने पकड़े गए उग्रवादियों के पास से कई आपत्तिजनक दस्तावेज, चंदे की रसीदें, कैश, प्रतिबंधित संगठनों की मुहरें और लेटरहेड, बाओफेंग कम्युनिकेशन हैंडसेट और कई अन्य चीजें बरामद की। इस बीच, पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने कानून-व्यवस्था और खुफिया विभाग के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के साथ इंफाल में मणिपुर राइफल्स की ऐतिहासिक पहली बटालियन का दौरा किया। यह राज्य की सबसे पुरानी बटालियनों में से एक है और इसका 134 साल पुराना इतिहास है। दौरे के दौरान डीजीपी को मणिपुर पुलिस के इतिहास के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें 1892 में पहली मणिपुर राइफल्स के गठन से लेकर समय के साथ इसके विकास और योगदान के बारे में बताया गया।

हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा मिला

एक और संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनीपाल जिले के मोरेह थाने के तहत आने वाले एक जंगल इलाके से हथियार और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। इस इलाके की सीमा म्यांमार से लगती है और यहां कोई बाड़ नहीं लगी है। बरामद चीजों में एक 9 एएमएम की पिस्टल, एक डबल-बैरल बंदूक, छह रेडियो सेट, दो हैंड ग्रेनेड और छह शक्तिशाली इन्फ्रारेड एक्स-लॉस डिवाइस (आईईडी) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि बम निष्पेक्ष दस्ते ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए मौके पर ही आईईडी को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया।

सांसद पप्पु यादव पर चप्पल फेंकी समर्थकों ने आरोपी को पीटा

दावा- आरोपी चाकू लेकर आया था, सांसद में चढ़ाया चोरी का नाटक किया था

एजेसी ॥ नई दिल्ली

बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पु यादव पर उनके दिल्ली में स्थित आवास पर रविवार शाम एक शांख ने हमला कर दिया। पप्पु यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, इसी बीच एक आदमी ने उनके ऊपर चप्पल फेंक दी। इसके बाद पप्पु के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की। पप्पु ने आरोप लगाया कि एक युवक ने चाकू लेकर उनकी हत्या की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कुछ बाबा रोज कहते हैं- मुझे मार दो, जला दो, हम 51 लाख देंगे। हमने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अभी आरोपी को पकड़कर ले गई है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।



राममंदिर में चंदा चोरी पर किया था नाटक

बता दें कि पप्पु यादव ने शुक्रवार को संसद में चंदा चोरी का नाटक किया था, जिसके बाद लखनऊ के एक हिंदुवादी नेता ने उनका सिर लाने वाले को 51 लाख रुपये का इनाम देने का ऐलान किया था। हमले के बाद पप्पु यादव ने मीडिया से कहा- आपके सामने ही हमला हुआ है? मेरा क्या गुनाह है? गुनाह बूजकूपन तिवारी का है, चंपत राय का है।

कांवड़ यात्रा...



हरिद्वार। सावन के महीने में होने वाली कांवड़ यात्रा में गंगाजल लेकर बाबाधाम जाती श्रद्धालु महिलाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-रीजन टू ब्लीव होना अनिवार्य, याचिका हुई खारिज

सिर्फ 'संदेह' के आधार पर बैंक अकाउंट फ्रीज नहीं कर सकती ईडी

एजेसी ॥ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि धन शोधन निवारण अधिनियम, 2000 की धारा 17(1A) के तहत केवल 'संदेह' के आधार पर बैंक खाते फ्रीज नहीं किए जा सकते। इसके लिए सक्षम प्राधिकारी के पास 'रीजन टू ब्लीव' (विश्वास के कारण) होना अनिवार्य है।

खंडपीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट की व्याख्या सही मानी

सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की खारिज

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की खंडपीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट की व्याख्या से सहमति जताते हुए कहा कि भले ही धारा 17(1ए) में 'रीजन टू ब्लीव शब्दों का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन इसे धारा 17(1) से अलग करके नहीं पढ़ा जा सकता। जब्ती के लिए 'विश्वास का कारण' होना आवश्यक है और चूंकि फ्रीज करना जब्ती का ही एक वैकल्पिक उपाय है, इसलिए उस पर भी वही मानक लागू होगा।



दिल्ली हाईकोर्ट ने ईडी की कार्रवाई को अवैध बताया हुआ था कि बिना वैधानिक आवश्यकताओं और प्रक्रिया का पालन किए जारी किया गया फ्रीजिंग आदेश कानून की कसौटी पर टिक नहीं सकता। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि बिना उचित आधार के किसी बैंक खाते को फ्रीज करना संविधान के अनुच्छेद 300ए के तहत संपत्ति के अधिकार का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस दृष्टिकोण को बरकरार रखते हुए ईडी की अपील खारिज कर दी।

यह है पूरा मामला

मामला पूनम मलिक के दो बैंक खातों को फ्रीज करने से जुड़ा था। पूनम मलिक, कथित स्टर्लिंग बायोटेक बैंक धोखाड़ी मामले के आरोपी गगन धवन से जुड़े बताए गए रंजीत मलिक की पत्नी हैं। हालांकि, न तो पूनम मलिक और न ही उनके पति का नाम एफआईआर या ईसीआईआर में था। ईडी के फ्रीजिंग आदेश में केवल यह कहा गया था कि संदेह है कि बैंक खाते में मनी लॉन्ड्रिंग की रकम हो सकती है, इसलिए खाते से डेबिट लेनदेन रोक दिया जाए। बाद में निष्पक्ष प्राधिकरण ने इस आदेश की पुष्टि की, लेकिन अपीलार्थ अधिकरण ने इसे रद्द कर दिया। इसके बाद ईडी दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची।

बांदा में मंदिर परिसर में जहर खाने से प्रेमी युगल की मौत

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में एक युवक और युवती की कथित रूप से जहरिला पदार्थ खाने से मौत हो गई। दोनों के शव एक मंदिर परिसर में मिले। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शनिवार देर रात कमासिन करबे के सिंहवाहिनी मंदिर परिसर में हुई। मृतकों को पहचान लखनपुर गांव निवासी शत्रुघ्न (20) और पहाड़ी क्षेत्र की रहने वाली राजमनी (19) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों एक ही समुदाय से थे। बबेरू क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी कृष्णकांत त्रिपाठी ने बताया कि कमासिन पुलिस को आधी रात के करीब सूचना मिली कि एक युवक और युवती ने मंदिर परिसर में जहरिला पदार्थ खा लिया है और दोनों बेहोशी की हालत में पड़े हैं। उन्होंने बताया कि दोनों को तत्काल कमासिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच संबंध थे। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि किन परिस्थितियों में उन्होंने यह कदम उठाया।

सरकारी राशन की गुणवत्ता पर सवाल नहीं, लेकिन भंडारण की वैज्ञानिक व्यवस्था नहीं, तैल- में भी झोल

हरिभूमि न्यूज़: रायपुर

छत्तीसगढ़ में सरकारी राशन दुकानों से बंटने वाले राशन की गुणवत्ता पर सवाल नहीं, लेकिन इन दुकानों में राशन रखने की व्यवस्था वैज्ञानिक तरीके से बिल्कुल नहीं की जा रही है। यही नहीं हितग्राहियों को राशन देने में तैल करने के मामले में झोल पाया गया है, यानी कई जगहों पर कम राशन दिया जा रहा है। यह तथ्य छत्तीसगढ़ राज्य आयोग की वार्षिक रिपोर्ट से सामने आया है। खास बात ये है कि आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने खुद दुकानों में जाकर हालात का जायजा लिया है।

छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर राज्य खाद्य आयोग की एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि अधिकांश दुकानों में खाद्यान्न की गुणवत्ता और वितरण की स्थिति ठीक पाई गई है, लेकिन भंडारण में क्लिंब, स्टॉक में हेरफेर और वैज्ञानिक भंडारण की भारी कमी जैसी गंभीर अनियमितताएं भी उजागर हुई हैं।

समय पर राशन न मिलने की शिकायतेंराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम के प्रावधानों के तहत पात्र हितग्राहियों को हर



महीने समय पर खाद्यान्न मिलना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, 40 (85 प्रतिशत) उचित मूल्य दुकानों में नियमानुसार समयबद्ध रूप से खाद्यान्न का वितरण होना पाया गया। वहीं, 7 (15 प्रतिशत) उचित मूल्य दुकानों से नियमित और समयबद्ध रूप से वितरण न होने के कारण हितग्राहियों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आम जनता के बीच हमेशा से राशन के अनाज की गुणवत्ता को लेकर चिंताएं बनी रहती हैं, लेकिन इस मोर्चे पर

राज्य खाद्य आयोग की रिपोर्ट में खुलासा, अब व्यवस्था में हो रहा सुधार- अध्यक्ष

रिपोर्ट ने राहत दी है।जांच में शामिल 43 (91 प्रतिशत) उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न की गुणवत्ता पूरी तरह सही पाई गई है। इसे पीडीएस व्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। हर महीने राशन दुकानों में खाद्यान्न का समय पर पहुंचना और भंडारण होना वितरण प्रणाली की रीढ़ माना जाता है।रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि 37 (79 प्रतिशत) दुकानों में प्रत्येक माह समयबद्ध तरीके से खाद्यान्न का भंडारण होता है। हालांकि, 10 दुकानों में भंडारण प्रक्रिया में क्लिंब होने की बात सामने आई है, जिससे समय पर राशन वितरण प्रभावित होता है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पारदर्शिता के लिए दुकानों का निर्धारित समयवधि में खुलना अनिवार्य है, लेकिन मैदानी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। जांच के दौरान 35 (74 प्रतिशत) दुकानें ही प्रतिदिन निर्धारित समय पर खुलती पाई गईं। इसके विपरीत, 12 (26 प्रतिशत) दुकानें अनियमित रूप से खुलती पाई गईं, जिससे दूर-दराज से आने वाले राशन काउधारियों को बैरंग लौटना पड़ता है। भ्रष्टाचार और लीकेज रोकने के लिए लाई गई ई-पास

व्यवस्था और जमीनी हकीकत के बीच अभी भी अंतर बना हुआ है। निरीक्षण की गई उचित मूल्य दुकानों में से 34 (72 प्रतिशत) दुकानों में ई-पास मशीन में दर्ज डेटा और भौतिक रूप से उपलब्ध खाद्यान्न स्टॉक की मात्रा बिल्कुल सही पाई गई। लेकिन चिंताजनक पहलू यह है कि 13 (28 प्रतिशत) दुकानों में स्टॉक का मिलान सही नहीं पाया गया, जो कि गंभीर गड़बड़ी या कुप्रबंधन की ओर इशारा करता है।

नियमों के अनुसार हर राशन दुकान के बाहर स्टॉक, दाम, शिकायत नंबर और अन्य आवश्यक सूचनाओं का बोर्ड पर प्रदर्शन होना अनिवार्य है। मात्र 28 (60 प्रतिशत) दुकानों में ही निर्धारित समस्त आवश्यक सूचनाओं का सही प्रदर्शन पाया गया। वहीं, 19 (40 प्रतिशत) दुकानों में इन सूचनाओं के प्रदर्शन में भारी कमी पाई गई, जो पारदर्शिता के दावों की पोल खोलती है।

सुरक्षित एवं वैज्ञानिक भंडारण की सबसे बड़ी चुनौती खाद्य सुरक्षा का सबसे संवेदनशील पहलू खाद्यान्न का सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से रखा जाना है, ताकि अनाज सड़े नहीं और कीटों से सुरक्षित रहे। इस मोर्चे पर रिपोर्ट ने

सबसे चौकाने वाले और चिंताजनक आंकड़े दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7 (15 प्रतिशत) दुकानों में ही खाद्यान्न का सुरक्षित एवं वैज्ञानिक भंडारण होना पाया गया।हरान करने वाली बात यह है कि 40 (85 प्रतिशत) दुकानों में खाद्यान्न का सुरक्षित एवं वैज्ञानिक भंडारण नहीं होना पाया गया, जिससे भारी मात्रा में अनाज के खराब होने या उसकी गुणवत्ता गिरने का बड़ा जोखिम बना हुआ है।

व्यवस्था में हो रहा है सुधार

राशन दुकानों की व्यवस्था की जांच करने के बाद सामने आए तथ्य आयोग की रिपोर्ट में रखे गए हैं। इससे संबंधित प्रतिवेदन के आधार पर खाद्य अधिकारियों ने राशन दुकान संचालकों के साथ बैठक कर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए हैं। अब व्यवस्था में सुधार भी आया है, लेकिन अभी भी जहां व्यवस्था को बेहतर करने की जरूरत है, उसे हम देख रहे हैं, सुधार करेंगे। इस मामले में केंद्र और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप काम किया जाएगा।

- संदीप शर्मा, अध्यक्ष, खाद्य आयोग

धान खरीदी 2026-27 के लिए दिशा निर्देश जारी

धान खरीदी में अब नहीं चलेगा राज्य का किसान पोर्टल सोसाइटियों में भी हो सकेगा एग्री स्टैक पंजीयन

हरिभूमि न्यूज़: रायपुर

छत्तीसगढ़ में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान बेचने की व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पिछले साल तक किसानों को राज्य सरकार के एकीकृत किसान पोर्टल में भी पंजीयन आवश्यक था, लेकिन इस खरीफ सीजन में इसकी जरूरत नहीं होगी। सभी प्रकार के किसानों को केंद्र सरकार के एग्री-स्टैक पोर्टल में पंजीयन कराना होगा। राज्य सरकार ने सोसाइटियों में यह पंजीयन करने का जिम्मा आपरैटर्स के हवाले किया है।

राज्य सरकार के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने खरीफ सीजन 2026-27 के लिए राज्य के सभी कलेक्टरों, संचालक खाद्य और अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक को इस संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। एग्री स्टैक में पंजीयन के लिए 31 अक्टूबर तक का समय दिया गया है। राज्य सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा एग्री स्टैक में पंजीयन किया जाएगा।

पिछले सीजन में राज्य सरकार के एकीकृत किसान पोर्टल में किसानों को पंजीयन कराना आवश्यक था, लेकिन इस सीजन में यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। इसके साथ ही एग्री स्टैक पंजीयन अब सोसाइटी में भी किया जाएगा। इस काम के लिए सोसाइटियों के आपरैटर्स को लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड दिया जाएगा। ताकि किसानों को एक ही स्थान पर पंजीयन संबंधी सुविधा मिल सके।

सरकार ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में धान बेचने के लिए पंजीकृत किसानों को केवल एग्री स्टैक पोर्टल पर दर्ज डिजिटल क्रॉप सर्वे में दर्ज धान के रकबे को मान्य किया जाएगा। जिन किसानों ने पिछले सीजन में धान बेचने के लिए पंजीयन नहीं कराया था तथा जिनके पास एग्री स्टैक फार्मर आईडी तथा किसान कोड उपलब्ध नहीं थे, इस तरह के नए किसानों को एग्री स्टैक में पंजीयन के बाद संबंधित समिति, उपार्जन केंद्र में जाकर अपनी जानकारी के खरसे का पंजीयन, बैंक का विवरण, नॉमिनी विवरण, ऑनलाइन सोसाइटी मॉड्यूल में दर्ज कराना होगा। यह काम समिति या उपार्जन केंद्र द्वारा किया जाएगा।

राशिफल

	आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।
मेघ	
	धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।
वृष	
	मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।
मिथुन	
	आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।
कर्क	
	नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होगी।
सिंह	
	शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।
कन्या	
	जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
तुला	
	मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।
वृश्चिक	
	मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।
धनु	
	शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।
मकर	
	भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।
कुंभ	
	मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

कैबिनेट उप समिति का निर्णय : अब 10 प्रतिशत ब्रोकन चावल ही होगा स्वीकार



खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमण्डलीय उप समिति ने आगामी खरीफ विपणन वर्ष के धान निष्पादन एवं कस्टम मिलिंग तथा धान खरीदी की तैयारियों पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुगम और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंत्रिमंडलीय उप समिति की पिछले दिनों हुई बैठक में धान खरीदी और मिलिंग व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब किसी भी पूल में 25 प्रतिशत ब्रोकन चावल स्वीकार नहीं किया जाएगा, इसकी सीमा घटाकर 10 प्रतिशत कर दी गई है।

इस फैसले से केंद्रीय और राज्य पूल में चावल जमा कराने के बाद बचने वाले धान की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी। पहले अतिरिक्त धान की नीलामी करनी पड़ती थी, लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद ऐसी स्थिति बनने की संभावना नहीं रहेगी। धान खरीदी प्रक्रिया को किसानों के लिए

अधिक सरल और सुविधाजनक बनाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही धान मिलिंग व्यवस्था को बेहतर और व्यवस्थित बनाने के लिए भी रणनीति तैयार की गई, ताकि पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल है, जहां किसानों से सबसे अधिक समर्थन मूल्य पर धान खरीदा जाता है। राज्य सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी करती है। उप मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में मंत्री दयालदास बघेल, टंकराम वर्मा, रामविचार नेताम और श्याम बिहारी जायसवाल शामिल रहे।

रेलवे रैक की कमी से चावल उठाव प्रभावित

वहीं राज्य में केंद्रीय पूल के लिए खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत 73 लाख टन चावल भेजने का लक्ष्य है। छत्तीसगढ़ में रेलवे रैक और ट्रैक की कमी के कारण केंद्रीय पूल में चावल का पूरा उठाव और भंडारण प्रभावित हो रहा है। इसके समाधान के लिए हर महीने कम से कम 250 रेलवे रैक उपलब्ध कराने और 5 लाख मीट्रिक टन चावल का जल्द उठाव करने का प्रबंध करने की मांग की गई है।

हरिभूमि न्यूज़: रायपुर

केंद्र सरकार ने जीएसटी के स्लैब में बदलाव कर आम ग्राहकों को फायदा पहुंचाने का जो काम बीते साल किया था, उसका कोई भी फायदा वास्तव में ग्राहकों को नहीं मिल सका है। वाहन और ऐसी जैसे बड़े उत्पादों में कुछ समय तक इसका फायदा मिला, लेकिन आज की तारीख में स्थिति यह है कि जहां एसी के दाम 25 फीसदी बढ़ गए हैं। वहीं वाहनों के दाम भी करीब उतने बढ़ गए हैं, जितने जीएसटी में कम हुए थे। सीमेंट के दाम में तो पहले ही कागजों में खेल किया गया था। अब तो इसके दाम और ज्यादा हो गए हैं। घी और पनीर में भी बड़ा खेल हो गया है। किराना का कोई भी सामान कम नहीं हुआ है, बल्कि इसके दाम पहले से ज्यादा हो गए हैं।

केंद्र सरकार ने बीते साल सितंबर में जीएसटी के स्लैब में बदलाव करके उसको चार के स्थान पर दो कर दिया। ऐसे में अब सिर्फ पानी और 18 फीसदी वाले स्लैब ही रह गए हैं। आम उपभोक्ताओं के उपयोग वाले डेली के कई सामानों में 12 और 18 फीसदी के जीएसटी को कम करके पांच फीसदी कर दिया गया। इसी तरह से 28 फीसदी वाले स्लैब को 18 फीसदी किया गया। इसका मकसद यह था कि इसका फायदा ग्राहकों को मिले, लेकिन ऐसा नहीं हो सका है।

एसी में 10 फीसदी दाम घटे थे, अब 25 फीसदी बढ़े

एसी को 28 फीसदी के स्लैब से हटाकर 18 फीसदी किया गया था। ऐसे में जो एसी 40 हजार का था, उसमें सीधे-सीधे चार हजार का फायदा था। यह फायदा बीते साल त्योहारी सीजन तक मिला। लेकिन इस सीजन में ज्यादा एसी नहीं बिकते हैं। एसी का सीजन गर्मी में रहता है। लेकिन गर्मी से पहले ही एसी के दाम में एसी आग लगी कि इसके दाम 25 फीसदी तक बढ़ गए। ऐसे में जिस एसी में 10 फीसदी का फायदा होना था, उसमें अब 15 फीसदी और ज्यादा घटे लग रहे हैं।

वाहनों के दाम भी बढ़े

दो और वापसिया वाहनों को भी 28 से हटाकर 18 फीसदी के स्लैब में किया गया था। इसका भरपूर फायदा बीते साल त्योहारी सीजन में मिला। जिन लोगों ने भी वाहन लिए उनको दस फीसदी का लाभ मिला। ऑटोमोबाइल कारोबारियों के मुताबिक नए साल में अप्रैल और जुलाई में इसके दाम करीब करीब दस फीसदी बढ़ गए हैं तो अब जीएसटी कम होने का कोई फायदा नहीं मिल रहा है।

सीमेंट के दाम में ऐसा खेल

सीमेंट के दाम में जीएसटी कम होने के समय ही कंपनियों ने बड़ा खेल कर दिया था। जिस सीमेंट के दाम 270 रहते हैं कंपनी उसकी बिलिंग 320 रुपए में करती है। डीलरों को 50 रुपए का डिस्काउंट दे दिया जाता है। जीएसटी दस फीसदी कम होने पर 320 रुपए की बिलिंग को 288 रुपए कर दिया गया और डीलरों का डिस्काउंट 50 रुपए से कम करके 20 रुपए कर दिया गया। सीमेंट कंपनियां तो कभी भी दाम बढ़ा देती हैं। नए सत्र में कुछ समय पहले ही दाम बढ़ाए गए। मानसून में भी फिर से दाम बढ़ाने की तैयारी है। इस समय कोई भी सीमेंट 300 रुपए से कम नहीं है।

घी, पनीर के दाम भी बढ़े

जब जीएसटी कम हुई थी उस समय अलग-अलग बांड के घी के दाम 550 से 650 रुपए थे। कुछ कंपनियों ने जीएसटी का नया स्लैब लागू होने से पहले ही जहां 40 से 50 रुपए दाम बढ़ दिए, वहीं कुछ कंपनियों ने कुछ समय तक फायदा देने के बाद दाम बढ़ दिए। इस समय ज्यादातर कंपनियों के घी के दाम 700 रुपए से लेकर 800 रुपए तक हो गए हैं। जबकि जीएसटी कम होने के समय इनके दाम कम थे। पनीर के दाम में भी पहले से ज्यादा इजाफा हो गया है। जो 200 ग्राम का पनीर पहले 90 रुपए में मिलता था, उसके दाम अब 95 रुपए हो गए हैं। खुले पनीर के दाम में भी भारी इजाफा हो गया है। 100 रुपए फाव वाला पनीर 120 रुपए फाव हो गया है। 200 एमएल ट्रेट पैक दूध के दाम पहले 15 रुपए थे, इसके दाम अब 17 रुपए हो गए।

हर सामान के दाम में खेल

रोज के उपयोग वाले जो भी सामान जैसे साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट, नूडल्स, नमकीन, भुजिया सेव, सॉस, पास्ता, चॉकलेट, काफी में जीएसटी पांच फीसदी किया गया था, उसमें से किसी भी भी इसका कोई फायदा ग्राहकों को नहीं मिल रहा है। किराना दुकान कारोबारों नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं कि जो पेटेंट जीएसटी कम होने के पहले 60 रुपए का था, उसके दाम अब 68 से 70 रुपए हो गए हैं। जो साबुन पहले 15 रुपए में मिल जाता था, उसके दाम अब 16 से 17 रुपए हो गए हैं।

स्मार्ट मीटर हटाने कांग्रेस ने घर-घर जाकर वापसी का फार्म भरवाया

हरिभूमि न्यूज़: रायपुर

शहर जिला कांग्रेस द्वारा घर-घर जाकर ‘स्मार्ट मीटर वापस करो एवं बड़ी बिजली दर वापस लो’ अभियान के तहत गुरु घासीदास ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले गुरु गोविंद सिंग वार्ड के विभिन्न इलाकों में स्मार्ट मीटर वापसी फॉर्म वितरण कार्यक्रम की शुरुआत की है। झंडा चौक, बेहरा कॉलोनी, शीतला मंदिर, बाजार पारा, नहरपारा आदि क्षेत्रों में वहाँ के नागरिकों से मिलकर बिजली बिल संबंधित परेशानियों की जानकारी ली गई।

शहर कांग्रेस द्वारा घर घर जनसंपर्क के दौरान अधिकांश घरों से बिजली बिल के अप्रत्याशित बढ़ोतरी की शिकायतें मिलीं। उन्होंने अपना पुराना बिल और वर्तमान बिल दिखाया जिसमें अधिकांश में जहाँ स्मार्ट मीटर लगने के पूर्व 400-500 रुपए का बिल आता था, अब वह 1700 से



कुलदीप जुनेजा से करते हुए समाधान की मांग की है। शहर कांग्रेस के घर-घर फॉर्म वितरण कार्यक्रम के दौरान लोगों ने इसको महतारी वंदन से जोड़ते हुए आरोप लगाया कि एक तरफ सरकार 1 हजार दे रही है, तो बिजली बिल, चालान, टैक्स, महंगाई के माध्यम से हर माह 5 से 10 हजार वापस वसूल रही है। घर-घर कांग्रेस जनों ने फॉर्म बाटा और फॉर्म भरने में लोगों की मदद की। आम जनों ने प्रदेश कांग्रेस

अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा पूरे प्रदेश में चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना की है। साथ ही आंदोलन में साथ देने का संकल्प लिया और आश्वासन भी दिया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर ने कहा, “स्मार्ट मीटर वापसी फॉर्म” वितरण कार्यक्रम हर वार्ड में घर-घर पहुंचेगा। सरकार से स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक की मांग की है। यह भी मांग रखी है कि जहां भी मीटर लगे वहां उनकी सहमति से दोनों मीटर पुराना एवं नया 1-2 माह तक लगाकर उपभोक्ता के संतुष्टि के बाद ही पुराने मीटर को बदलने और नया स्मार्ट मीटर को स्थायी करने का माह रखी, ताकि आम जनों को मीटर लगने की प्रक्रिया पर विश्वास बने और उन्हें किसी भी प्रकार की अवैध वसूली की आशंका ना हो। शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, सुशांत डे, ब्लॉक अध्यक्ष मिलिंद गौतम, दीपक चौबे, राज देवांगन, अमिंतेश भारद्वाज, कमल धृतलहरे,

बलजीत भाटिया, प्रवीण चंद्राकर, सेवक महानंद, बास्टो बेहरा, रतन सोनी, शहनाज बेगम, देवकी छत्रीय, सायरा बानो, प्रतीक तिवारी, पवन प्रधान सहित आम नागरिक भी उपस्थित थे। जिला कांग्रेस कमिटी रायपुर ग्रामीण के सभी 11 ब्लॉकों में स्मार्ट मीटर हटाओ—जनआवेदन अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के शुभारंभ अवसर पर जिला कांग्रेस कमिटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे स्वयं घरसीवा एवं अभनपुर में उपस्थित रहे। जिला कांग्रेस कमिटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा, यह अभियान लगातार दो माह तक चलेगा। कांग्रेस कार्यकर्ता इस दौरान प्रत्येक गांव और प्रत्येक घर तक पहुंचकर स्मार्ट मीटर हटाने के लिए जनआवेदन भरवा कर आवेदनों को संबंधित सीएसईबी कार्यालयों में जमा करवा जाएगा। उन्होंने कहा, यदि सरकार जनता की मांगों की अनदेखी करती है तो कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

शब्द पहेली - 6306

बाएँ से दाएँ

1. पावर हाऊस - 5
4. दिमागी, कल्पित - 4
7. हृदय - 2
8. खोदना - 3
9. प्रचार वाक्य, स्लोगन - 2
10. नुकीला - 4
11. कलिका - 2
13. प्यारा, लाडला - 3
14. विशिष्ट, विशेष - 2
15. खर्च, उपभोग - 3
17. नौका - 2
19. नाम करण - 2, 3
22. चमकीला - 5
25. महोदय (अंग्रेजी - 2)
26. रनिवास, जनवासा - 3
28. संध्या, सांझ - 2
29. दलना, महीन करना - 3
30. जस, सम्मान - 2
32. कारागृह - 4
34. आलाप, लय, सुर - 2
36. पागल खी - 3

37. इंकार, मना - 2
38. सराबोर, सना हुआ - 4
39. बेवस्था, तवायफ - 5
- ऊपर से नीचे
1. चूहे का घर - 2
2. नेता - 3
3. सार-संसार - 2, 3
4. आदर्श, कसौटी - 3
5. छाती - 2
6. अचख भरा कार्य - 4
7. हृदय को ठेस लगाना - 5
10. अनवरत वर्षा - 4
12. बूँ का अंडा - 2
16. ओट, घुंघट - 3
17. मां के पिता - 2
18. दुख, कष्ट - 2
20. राष्ट्रीय पक्षी - 3
21. पत्र, लैटर - 2
22. गुप्तचर, दूत - 2
23. कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी - 4)
24. खानगी,

- प्रस्थान करना - 3, 2
25. समग्रहीन, समवर्ती - 5
26. वंद, स्ट्राइक - 4
27. सुरा, शराब - 2
31. वक्ता, प्रतिज्ञा - 3
33. वंदर - 3
35. नयनी, नथिया - 2
37. शहद - 2

शब्द पहेली - 6305 का हल

ज	र	म	म	स	ल	क	का	चा	र
सि	या	छा	छा	श	क	र	र	र	बा
दि	अ	ज	ज	र	म	ल	य		
ली	गा	र	ज		ज	ली	ज	ता	
री	ल		शं	ता	ज	ब	जा	ता	
न	ग	क	दा	ली	वा	न	सि	क	ता
क	क	म	च	ल	ना	शा	र		
अ	र	छ	र		ऐ	ख	य	ल	
ह	स	द	ज	ये	त	म	म्य		
श	न	ग्र	र	ज	वा	दा	पू		
क	र	त	ल	श	च	र	त	पू	भ

शब्दीकु नवताल- 6316

***☆☆
मध्यम

8	4	3	9	7	5		6
3				2			
	7	6	5				4
9	6		5		1		7
5		1	4		9	8	
4		8					5
2				6	1	4	
			7				8
7		9	8	3	5	6	
							1

■ MANGA SEWACHA, BANGALORE

शब्दीकु नवताल- 6315 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहलों का केवल एक ही हल है.

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	4	9	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1



इंडियन ऑयल का घाटा बढ़कर 2,661 करोड़ रुपए नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) को चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर 2,661.37 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने कहा कि लांगत बढ़ने के बावजूद ईंधन की कीमतें स्थिर रखने से यह घाटा हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 5,688.60 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था जबकि जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में उसे 11,377.51 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी।

त्योहारी मांग में सुधार से तेल के भाव मजबूत नई दिल्ली। आगामी त्योहारों के लिए बाजार में मांग बढ़ने के साथ किसानों की ओर से तिलहन की आवक घटने के कारण बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल-तिलहन के दाम मजबूत रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि मौजूदा समय में देश में आयातित खाद्य तेलों के मुकाबले बिनीला, सरसों और मूंगफली तेल के दाम ऊंचे हैं। अधिक ऊंचे दाम का लाभ ले चुके किसान अब नीचे दाम (जो न्यूनतम समर्थन मूल्य सा एमएसपी से अधिक ही है) पर अपनी उपज बाजार में बेचने से कतरा रहे हैं।

पूंजीकरण में बजाज फाइनेंस को सबसे अधिक फायदा नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2,51,228.75 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में तेजी के बीच बजाज फाइनेंस लिमिटेड को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,034.87 अंक यानी 2.67 प्रतिशत चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 616.15 अंक यानी 2.59 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

रेनो इंडिया की घरेलू बाजार में बिक्री 27.9 प्रतिशत बढ़ी नई दिल्ली। रेनो इंडिया की बिक्री जुलाई, 2026 में घरेलू बाजार में 3,293 वाहन रही है। यह पिछले साल के इसी माह के 2,575 इकाई के आंकड़े से 27.9 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के अनुसार, रेनो इंडिया ने लगातार 11वें महीने सालाना आधार पर दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने बताया कि यह प्रदर्शन उसके पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो में बनी मांग और हालिया उत्पाद पहल के कारण संभव हुआ है। रेनो इंडिया ने कहा कि वह भारतीय यात्री वाहन बाजार के प्रमुख क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी मजबूत करने और बिक्री की इस रफ्तार को बनाए रखने पर लगातार ध्यान केंद्रित कर रही है।

एस्टेट का आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी एसेटज लिमिटेड ने आर्थिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) के जरिये लगभग 1,200 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं। सिंगापूर स्थित निवेश कोष एजीपी पार्टनर्स कंपनी में एक प्रमुख शेयरधारक है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने निगम के लिए गोपनीय मार्ग से भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) और शेयर बाजारों के पास दस्तावेजों का मसौदा (डीआरएचपी) जमा किया है।

एआई से नौकरियों को लेकर अनिश्चितता, अधिक संवाद की जरूरत

एजेसी ►► नई दिल्ली

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव के कारण देश के युवाओं में रोजगार और अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ रही है। उनका कहना है कि युवाओं की चिंताओं को समझने और दूर करने के लिए सरकार और नीति-निर्माताओं को उनके साथ लगातार संवाद बनाए रखना चाहिए। कुमार ने कहा कि देश का युवा एआई की वजह से अपने भविष्य को लेकर काफी असमंजस में हैं। नीट पेपर लोक मामले को लेकर युवाओं के विरोध-प्रदर्शन संबंधी सवाल पर उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि इसके

15 से 29 आयु वर्ग में बेरोजगारी दर अधिक

कुमार ने कहा कि हाल के आर्थिक क्षमबल सर्वे (पीएलएफएस) के अनुसार, 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी की स्थिति चिंता का विषय है। इस आयु वर्ग में युवाओं की बेरोजगारी दर 20 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, "यदि आप उनकी स्थिति में होते, तो आप भी काफी परेशान होते। इसीलिए मैं चाहता हूं कि युवाओं के साथ बातचीत चालती रहे।"

युवाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्या समझे

जून, 2026 के आंकड़ों के मुताबिक इस आयु वर्ग में महिलाओं की बेरोजगारी दर 20.7 प्रतिशत और पुरुषों की 14.6 प्रतिशत रही। उन्होंने सुझाव दिया कि परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए गठित कार्य बल के प्रमुख इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि को भी युवाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझना चाहिए और उन्हें भविष्य को लेकर भरोसा दिलाना चाहिए।

सरकार के सिगरेट पर भारी कर बढ़ोतरी का असर दिखने लगा

कर बढ़ोतरी से सिगरेट कंपनियों पर दबाव शुद्ध राजस्व व मुनाफे में भारी गिरावट

एजेसी ►► नई दिल्ली

सरकार द्वारा सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर करों में की गई भारी बढ़ोतरी का असर अब देश की प्रमुख सिगरेट कंपनियों के प्रदर्शन पर साफ दिखाई देने लगा है। नई कर व्यवस्था लागू होने के बाद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में आईटीसी लि., गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और वीएसटी इंडस्ट्रीज के शुद्ध राजस्व, बिक्री मात्रा और मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है।

■ आईटीसी, गॉडफ्रे फिलिप्स और वीएसटी कंपनियों पर दिखा

इन तीनों कंपनियों की देश के सिगरेट बाजार में 90 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी है। बाजार के विभिन्न अनुमानों के अनुसार, भारत में सिगरेट की वार्षिक खपत करीब 100-120 अरब स्टिक के आसपास है। सरकार ने इस साल फरवरी में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया था।

■ तीनों कंपनियों की देश की सिगरेट बाजार में 90 फीसदी हिस्सेदारी

■ भारत में सिगरेट का वार्षिक उत्पादन 120 अरब स्टिक के आसपास

सिगरेट की लंबाई के आधार पर उत्पाद शुल्क व्यवस्था लागू

इसके साथ ही पुराने मुआवजा उपकर की जगह लंबाई के आधार पर नई अनिश्चित उत्पाद शुल्क व्यवस्था लागू की गई, जो प्रति 1,000 सिगरेट पर 2,100 रुपये से 8,500 रुपये तक है। हालांकि, कर बढ़ोतरी के बाद कंपनियों की बिक्री से प्राप्त कुल आय में वृद्धि दिखाई दी, लेकिन वास्तविक या शुद्ध राजस्व पर इसका नकारात्मक असर पड़ा।

कंपनियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा

कंपनियों को बड़े हुए कर का बोझ कीमतों में समायोजित करने, बिक्री मात्रा बनाए रखने और उत्पाद पोर्टफोलियो में बदलाव करने जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। देश की अगुनी सिगरेट कंपनी आईटीसी ने जून तिमाही में अपने सिगरेट कारोबार से परिचालन राजस्व में 73.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह बढ़कर 16,596.67 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 9,553.86 करोड़ रुपये था।

मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर को स्थिर रखने की संभावना

एजेसी ►► मुंबई

मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों और एफसीएनआर (बी) जमा योजना पर रुख को लेकर प्रतीक्षा के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी आगस्त की मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रख सकता है। देश के 10 अर्थशास्त्रियों और ट्रेजरी प्रमुखों के एक सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है।

ज या दा त र उत्तरदाताओं का अनुमान है कि केंद्रीय बैंक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और असमान मानसून से मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों के बीच आक्रामक रुख अपनाते हुए अपनी नीतिगत स्थिति को 'तटस्थ' बनाए रखेगा। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि केंद्रीय बैंक "देखो और प्रतीक्षा करो" की मुद्रा में रहेगा क्योंकि वह महंगाई के उभरते परिदृश्य का

मुद्रास्फीति का दबाव आपूर्ति प्रेरित

यदि मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ता है, तो अधिकांश प्रतिभागी चालू वित्त वर्ष के दौरान कम से कम दो बार दूर वृद्धि की उम्मीद करते हैं। आईटीसीएफसी फस्ट बैंक की अर्थशास्त्री गौरा सेनगुप्ता ने कहा कि मुद्रास्फीति का दबाव काफी हद तक आपूर्ति-प्रेरित है और इसके लिए तत्काल मौद्रिक नीति प्रतिक्रिया की आवश्यकता नहीं हो सकती है।

जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का किया उत्पादन

मासिक रिपोर्ट का जुलाई में रिकॉर्ड वाहन उत्पादन दर्ज

एजेसी ►► नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने जुलाई में अपना रिकॉर्ड मासिक उत्पादन दर्ज किया है। जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो पिछले साल के इसी महीने के आंकड़े 1,87,073 इकाई के मुकाबले 33 प्रतिशत अधिक है।

■ पिछले साल के इसी महीने से 33 प्रतिशत अधिक निर्माण

कंपनी का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड मार्च, 2026 में बना था, जब उसने 2,31,933 वाहनों का विनिर्माण किया था। मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पाथों बनर्जी ने बताया कि रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद डीलर नेटवर्क में वाहन का स्टॉक सामान्य स्तर से काफी कम है। जुलाई में कंपनी की खुदरा बिक्री 1.78 लाख इकाई रही।

आईटी उद्योग में नई नौकरियां नहीं हो रही पैदा : श्रीधर वेम्बू

एजेसी ►► नई दिल्ली

जोहो के संस्थापक एवं मुख्य वैज्ञानिक श्रीधर वेम्बू ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग में कंपनियों का बड़ा हिस्सा

■ एआई व डेटा सेंटर पर खर्च बढ़ा

अब कृत्रिम मेधा (एआई) और डेटा सेंटर की बढ़ती लागत पर खर्च हो रहा है, जिससे नयी नौकरियां कम पैदा हो रही हैं। वेम्बू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि जोहो समेत आईटी उद्योग क्षेत्र ने बड़े पैमाने पर छंटनी से तो बचाव किया है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में नयी नौकरियों के अवसर भी नहीं दिए हैं। उन्होंने कहा, जो पैसा पहले नए कर्मचारियों

बड़ी कंपनियों का रुख एआई की ओर

वेम्बू ने कहा कि हालांकि, कंपनी इन खर्चों का प्रबंधन करने की कोशिश कर रही है, लेकिन कई बातें उनके नियंत्रण से बाहर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बड़ी कंपनियां अपने आईटी बजट का रुख एआई की ओर कर रही हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर अनिश्चितता जताई कि एआई कंपनियां भारी पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) के बावजूद अपेक्षित मुनाफा कमा पाएंगी या नहीं।

बीओएम ने आवास ऋण पर ब्याज दर घटाई

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने ग्राहकों को राहत देते हुए आवास ऋण पर ब्याज दर में कटौती की है। बैंक ने एक पेशकश के तहत आवास ऋण पर ब्याज दर को मौजूदा के 7.1 प्रतिशत से घटाकर सात प्रतिशत कर दिया है। यह सुविधा सीमित अवधि के लिए और शुरू की गई विशेष पेशकश 'मानसून धमका' के तहत दी

इंडिगो की 20वीं वर्षगांठ पर 'लंबी उड़ान' की तैयारी

एजेसी ►► नई दिल्ली

इंडिगो एयरलाइन अपने परिचालन के 20 वर्ष पूरे होने पर अब एक 'लंबी दूरी की उड़ान' शुरू करने की तैयारी कर रही है और बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना बना रही है। इसके तहत एयरलाइन दुनिया भर में बसे प्रवासी भारतीयों को उनके देश से जोड़ने, खाड़ी देशों के केंद्र से होकर जाने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को वापस अपनी उड़ानों में लाने और भविष्य में भारत के रास्ते विदेशों के बीच यात्रियों को ले जाने का लक्ष्य रखेगी। घरेलू बाजार में 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली देश की यह प्रमुख एयरलाइन कंपनी जल्द ही एयरबस ए321

■ अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर कर रही है काम

दुनिया भर में बसे प्रवासी भारतीयों को उनके देश से जोड़ने, खाड़ी देशों के केंद्र से होकर जाने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को वापस अपनी उड़ानों में लाने और भविष्य में भारत के रास्ते विदेशों के बीच यात्रियों को ले जाने का लक्ष्य रखेगी। घरेलू बाजार में 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली देश की यह प्रमुख एयरलाइन कंपनी जल्द ही एयरबस ए321



एक्सएलआर विमान अपने बेड़े में शामिल करने जा रही है और 2028 से ए350 बड़े आकार के विमानों की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है।

इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि व्यापक घरेलू नेटवर्क के दम पर कंपनी अब 'लंबी दूरी की उड़ानों' की दिशा में बड़ा कदम उठाने को तैयार है और ए321 एक्सएलआर तथा बाद में ए350 विमानों के जरिये अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ा जाएगा। हालांकि, भाटिया ने कहा कि चार अगस्त को कंपनी की 20वीं वर्षगांठ है, लेकिन अब भी इंडिगो

खाड़ी देशों की एयरलाइंस के कब्जे में भारत का बड़ा हिस्सा

भाटिया ने कहा कि लंबी दूरी की रणनीति का मुख्य केंद्र भारतीय यात्रियों और वैश्विक भारतीय प्रवासी समुदाय को सेवा देना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में खाड़ी देशों की एयरलाइन्स ने अपने केंद्र के जरिये भारत से जाने वाले अंतरराष्ट्रीय यातायात का बड़ा हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया, जिससे आर्थिक मूल्य विदेश चला गया।

को वैश्विक एयरलाइन कहना जल्दबाजी होगी। प्रबंध निदेशक के साथ ही कंपनी के सह-संस्थापक भाटिया ने कहा, "क्या हम वहां पहुंचना चाहते हैं? हां, हमारी आकांक्षा है, लेकिन कंपनी का मूल अब भी घरेलू नेटवर्क ही है। बड़े विमानों के साथ कुछ प्रयोग हो रहे हैं, लेकिन हमें वैश्विक कहना अभी कल्पना को बढ़ाना होगा।

रेडिसन की भारत में विस्तार के लिए छोटे शहरों पर नजर

एजेसी ►► नई दिल्ली

रैडिसन होटल ग्रुप ने भारत को अपने वैश्विक विस्तार का प्रमुख केंद्र बताते हुए वर्ष 2030 तक देश में 500 होटल के परिचालन के लक्ष्य पर कायम रहने की बात कही है।

■ वर्ष 2030 तक 500 होटल के लक्ष्य पर कायम

कंपनी का मानना है कि उभरते शहरी केंद्रों और क्षेत्रीय नगरों, धार्मिक पर्यटन बाजार नहीं, बल्कि कंपनी की वैश्विक विकास रणनीति का प्रमुख आधार बन चुका है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 की पहली छमाही में कंपनी ने 18 नए होटल के लिए हस्ताक्षर किए हैं और चार नए होटल शुरू किए। इसके साथ ही कंपनी की विकास के तहत परियोजनाओं की संख्या बढ़कर 98 हो गई है, जबकि इसके 86 शहरों में



विस्तार महानगरों तक सीमित नहीं

शर्मा ने कहा कि कंपनी अब केवल दिल्ली, मुंबई, बैंगलूर और हैदराबाद जैसे पारंपरिक महानगरों तक सीमित नहीं है। रैडिसन अब राजकोट और जमशेदपुर जैसे औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्रों, सिलीगुड़ी जैसे प्रवेश द्वार शहरों, कसौली और गोपालपुर जैसे पर्यटन स्थलों तथा नाथद्वारा और प्रयागराज जैसे धार्मिक केंद्रों में भी अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है।

142 होटल परिचालन में हैं। शर्मा के अनुसार, अगले दो साल में कंपनी तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। इनमें विकासाधीन होटल को तेजी से परिचालन में लाना, दूसरी, तीसरी और चौथी श्रेणी के शहरों में अपनी मौजूदगी मजबूत करना तथा व्यापारिक, अवकाश और धार्मिक पर्यटन स्थलों में संतुलित विस्तार शामिल है।

डीलर नेटवर्क में मौजूदा स्टॉक 16 दिन का है

बनर्जी ने कहा कि डीलर नेटवर्क में मौजूदा स्टॉक करीब 16 दिन का है, जबकि उद्योग का औसत लगभग 30 दिन का रहता है। कंपनी के पास करीब 1.6 लाख वाहनों की बुकिंग लंबित है। कंपनी ने जुलाई में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की अब तक की सबसे अधिक थोक बिक्री दर्ज की।

बलेनो, सेलेरियो और स्विफ्ट का उत्पादन बढ़ा

वहीं, बलेनो, सेलेरियो और स्विफ्ट जैसे कॉम्पैक्ट मॉडल का उत्पादन बढ़कर 1,13,067 इकाई हो गया, जो पिछले वर्ष के समान महीने के आंकड़े 87,950 इकाई से 29 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के लोकप्रिय यूटिलिटी वाहन बैजा, अर्दिगा और फ्रॉन्क्स का उत्पादन भी तेजी से बढ़ा। जुलाई में इन मॉडल की 1,02,787 इकाइयों का उत्पादन हुआ, जबकि पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा 70,241 इकाई था।

वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी का उत्पादन बढ़ा

इसमें 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा ईको वैन का उत्पादन 14,627 इकाई रहा, जो पिछले साल के 13,610 इकाई से सात प्रतिशत अधिक है। वहीं, हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी का उत्पादन बढ़कर 4,400 इकाई हो गया, जो पिछले साल समान महीने में 3,788 इकाई था।

25 फीट खुदाई...

से लेकर अब तक स्वयंभू शिवलिंग का दूसरा छोर नहीं मिला है। मंदिर स्थापना और शिवलिंग को लेकर जनश्रुति है कि क्षेत्र के पुराना गांव प्रमुख पटेल मालगुजार को खुदाई करते समय यह शिवलिंग मिला था। महाकाली एवं हनुमान मंदिर परिसर धर्म नगरी कौही समिति के अध्यक्ष योगेश्वर साहू, सचिव राजेश साहू, कोषाध्यक्ष हेमलाल साहू, उपाध्यक्ष सुनीता यदु, मुकेश साहू, नारायण साहू ने बताया कि खारून नदी के किनारे 11 एकड़ भू-भाग में फैले मुख्य मंदिर में विराजमान स्वयंभू शिवलिंग खुदाई करते हुए खंडित हो गया था। तब पुराने मलागुजार गांव प्रमुख पटेल को स्वप्न में महादेव से साक्षात्कार हुआ। स्वयंभू शिवलिंग के साथ मंदिर निर्माण का आदेश प्राप्त हुआ। जिसके बाद ग्राम प्रमुख पटेल पटेल ने जन सहयोग से मंदिर की निर्माण कराया।

श्रीराम ने की...

उन्होंने यहां मौजूद शिवलिंग में पूजा-अर्चना की थी। इसलिए बस्तर के प्रसिद्ध शिवधाम में से एक रामपाल गांव को रामवनगमन पथ से भी जोड़ा गया है। पुरातत्व के जानकार कहते हैं कि मंदिर के आसपास खुदाई के दौरान ग्रामीणों को जो ईंट मिली है, वह पांचवीं सदी की है। इसके अवशेष आज भी मंदिर में मौजूद हैं। मान्यता है कि शिवलिंग प्रभु श्रीराम द्वारा स्थापित की गई है। ग्रामीणों के अनुसार शिवलिंग के दर्शन हुए तब से यहां के ग्रामीणों से चंदा एकत्र कर शिवरात्रि के दौरान शैव साधना का आयोजन किया जाएगा। **श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना-** इतिहास असिस्टेंट प्रोफेसर ओम प्रकाश सोनी ने बताया कि यह शिवलिंग नल काल का है तथा यहां स्थित शिवालय का निर्माण पांचवीं छठी शताब्दी में हुआ था। उस समय दंडकारण्य क्षेत्र शैव साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता था। इसी कारण उस कालखंड में गांव-गांव में शिव मंदिरों का निर्माण हुआ। विशेष बात यह है कि पांचवीं छठी शताब्दी का यह प्राचीन शिवालय आज भी पूजित है और श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

शिव के उपासक...

मंदिर में खुदाई के दौरान शिवलिंग मिला था। इस शिवलिंग की ऊंचाई लगभग 3 से 4 फीट है और कुछ साल पहले की जांच में लगभग 30 फीट से अधिक गहराई पाई गई। ग्रामीण इस शिवलिंग को अटल शिवलिंग कहते हैं जो जमीन की नाभि से मिलता है।

रुद्र शिव की प्रतिमा...

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल	- प्रसूति - बांझपन - बच्चों एवं बच्चों के आपरेशन	- नवजात - सोनोग्राफी - अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन	- शिशु रोग - आयुष्मान कार्ड
♥आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 📍9826182221 📞9301744425			
डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना			
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल	डॉ राका शिवहरे	भर्ती सुविधा	
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR	MBBS, MD FNIC FIPA	उपलब्ध	
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फ़ोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756			

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता है

आवश्यकता है- टायर दुकान में काम करने हेतु लड़के, लाड़कियां और जबरन शाँप हेतु लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क- निशानियां मार्केटिंग जूनीलाईन बिलासपुर 91310 42929, 7000209331 (3188)

आवश्यकता है- रिंग रोड नं-1 में स्थित केनरा बैंक वाले भवन (गुम्बर पैट्रोल पम्प के सामने) के लिए सुबह 9:30 से रात 8बजे तक देखरेख हेतु लड़का चाहिए सम्पर्क करें- 9993802110 (41552)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल श्रीकूलर शोरूम में सेल्स मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव युवक, युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मालवा टीवीएस ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा 8827948333, 8103515508 (41543)

आवश्यकता है- सीएमडी चौक, बिलासपुर स्थित फर्नीचर शोरूम में कार्य करने हेतु एक लड़के की आवश्यकता है। अनुभवी उम्मीदवार को प्राथमिकता। मिलने का समय दोपहर 12बजे से शाम 4बजे। सम्पर्क करें- 9300611049 (41555)

आवश्यकता है- थोक पुस्तक दुकान में मेहनती काम करने हेतु युवक चाहिए। जिसके पास ड्राइविंग लाइसेंस हो। समय सुबह 10बजे से रात्रि 10बजे तक वेतन 9000 पना- देवांगन बुक स्टाल B-15 सिटी सेंटर, कॉम्प्लेक्स, मारलि कार शोरूम, शिव टांकीज रोड, बिलासपुर 62622 27355 (41537)

आवश्यकता है- CCTV कैमरा/ डीटीएच फिटिंग, ऑफिस में हेलपर, सेल्स मार्केटिंग, कम्प्यूटर वर्क हेतु लड़के, लाड़कियां और जबरन शाँप हेतु लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क- निशानियां मार्केटिंग जूनीलाईन बिलासपुर 91310 42929, 7000209331 (3188)

आवश्यकता है- भवन निर्माण कार्य की देखरेख करने के लिए मेहनती लड़के की तत्काल आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9987135059, 98937 96506 (41553)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल टूकूलर शोरूम में फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव युवक, युवतियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ज़िल्ल मालवा टीवीएस बिलासपुर 8827948333, 8103515508 (41544)

आवश्यकता है- कुक की आवश्यकता है जो पिज्जा बर्गर एवं फास्ट फूड बना सके। सैलरी योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Cafe Aura Loyla school road vasant vihar chowk rajkishor nagar bilaspur 8103087764 (41551)

आवश्यकता है- रेडीमेड शोरूम हेतु अनुभवी सेल्समैन/ सॉलगर्ल की। वेतन- योग्यतानुसार। आधार सिद्ध सम्पर्क- भारत किड्स वियर B-1 मेन रोड सुपर मार्केट रघुराज सिंह स्टैंडियम के सामने अग्रसेन चौक बिलासपुर 70949481000, 9826681000 (41546)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित साड़ी शॉप में अनुभवी सेल्समैन-6 (लड़के), हेलपर-6 (लड़के/ लड़की) और 2 फ्लोर मैनेजर (लड़के/ लड़की) की। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 97554 98703, 7987065573 वसंत साड़ी सेंटर, सदर बाजार, बिलासपुर (41540)

आवश्यकता है- सुरक्षा एजेंसी के अन्तर्गत कार शोरूम में गार्ड (आयु 30वर्ष से 45वर्ष, ऊंचाई 5’-5”, योग्यता 12वीं पास हो। वेतन 11000 से शुरू, तिफरा, सिरिगिट्टी, चकरभाटा, बोदरी निवासी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक उमा सिक्खुरिटी सर्विसेज बकताई स्टैंडियम चौक 99816 30084, 9981630042 (41536)

आवश्यकता है- शिक्षिकाओं की (प्री-नर्सरी से 8वीं) स्पोकन इंग्लिश, बीएड, कम्प्यूटर अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार। फोटो सहित बायोडाटा क्वाट्सएप्प करें- BBVM इंग्लिश मीडियम स्कूल कस्टूरबा नगर, सिन्धी कॉलीनी, बिलासपुर 93006 54801, 7489885833 (41525)

आवश्यकता है-भगवती सुलोचना ऑटोमोटिव फ्लीटगार्ड फिल्टर डीलरशिप हेतु फील्ड सेल्समैन (12वीं, स्नातक) फील्ड सेल्स/ऑटो स्पेयर पार्ट्स अनुभव वरीयता कम्प्यूटर ऑपरेटर स्नातक, अनुभवी चाहिए वेतन योग्यतानुसार+ ईसीटिव सम्पर्क करें- बबल आइलैंड के पास सिरिगिट्टी, बिलासपुर 9399905071 (41508)

आवश्यकता है-कार्सेटिक दुकान मे कार्य करने हेतु सेल्समेन एवं जबरन कार्य करने हेतु लड़की / महिला आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुनील प्लानिट्क, तेलीपारा अजीत होटल के सामने बिलासपुर (41474)

आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी भर्तीपद- फरिस्टगार्ड , क्लर्क, वगणल, चपरासी , हेतु एजेंसी में कार्य हेतु (युवक/ 10वीं+12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र (18 -42) और 2 फ्लोर मैनेजर (लड़के/ लड़की) की। वेतन 11000 से शुरू, तिफरा, सिरिगिट्टी, चकरभाटा, बोदरी निवासी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक उमा सिक्खुरिटी सर्विसेज बकताई स्टैंडियम चौक 99816 30084, 9981630042 (41536)

आवश्यकता है- बिजी सॉफ्टवेयर के अनुभवी कम्प्यूटर जानकार एकाउंटेंट की आवश्यकता है। अनुभव न्यूनतम 2वर्ष बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- गजानन ग्लास मामा भांजा तालाब पुराना हाईकोर्ट रोड शिव टांकीज बिलासपुर 91110 67200 (41548)

आवश्यकता है- एक प्रतिष्ठित कलेक्शन एजेंसी को जशपुर/लैलूंगा /पत्थलगांव निम्नलिखित पदों की आवश्यकता हैं फील्ड एग्जीक्यूटिव पद -15, Contact : 7000324697 पता:- ई-जैनेसिस फार्मडॉसियल सोल्यूशन्स (0068)

आवश्यकता है- घरेलू सभी काम कर सके, झाड़ू पोछा, साफ सफाई, बर्तन धोने हेतु लड़की / महिला चाहिए जरूरतमंद को प्राथमिकता। पता- पुराना बस स्टैंड करबला रोड, रामकुमार पेन्टर गली, बिलासपुर 9098752111 (41530)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेंसी में कार्य हेतु (युवक/ युवतियां) सेल्समैन, ऑफिस ड्राइवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राईवर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- एकता रामकुमार पेन्टर गली, बिलासपुर 8319675178, 9407600099 (1193)

आवश्यकता है- परसदा एजेंसी में कार्य हेतु (युवक/ लड़कियां) सेल्समैन, ऑफिस ड्राइवर, ई-आटो एवं इलेक्ट्रीशियन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुपरबाईजर, ड्राईवर ई-आटो एवं इलेक्ट्रीशियन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 15 ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा बिलासपुर 96855 42250, 6264550163, 7049098581 (41545)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेंसी में सुपरबाईजर, ड्राईवर, ई-आटो एवं इलेक्ट्रीशियन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 15 ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा बिलासपुर 96855 42250, 6264550163, 7049098581 (41545)

आवश्यकता है- घर के काम हेतु महिलाओं/ लड़कियों की आवश्यकता है फुल टाइम रहना खाना प्री एवं वेतन 9000 महीना, 6घंटे- 5000 महीना। केवल जरूरतमंद ही सम्पर्क करें- 86000 12354, केरा रोड, जांजगीर (41532)

पहुंचते हैं। **भकुरा नाम के पीछे है अनोखी कहानी-** भूतेश्वरनाथ महादेव समिति मरौदा के उपाध्यक्ष बाबूलाल चन्द्रवंशी (सिंधौला) एवं शंभुराम हल्बा (मरौदा) ने बताया कि लगभग 30 वर्ष पहले जहां आज भगवान भूतेश्वर महादेव विराजमान हैं, वह स्थान गौठान हुआ करता था। वहां केवल नंदी जी की प्रतिमा थी। उस समय वहां से गुजरने वाले लोगों को रहस्यमयी हुंकार जैसी आवाज सुनाई देती थी। उन्होंने बताया कि उस समय सिरकट्टी के महर्षि भुनेश्वरी शरण व्यास तथा परेवा गांव के संत पवन दीवान ने इस चट्टान को स्वयंभू शिवलिंग बताते हुए इसकी पहचान कराई। छत्तीसगढ़ी भाषा में हुंकारने की आवाज को ‘भकुरा’ कहा जाता है, इसलिए इसका नाम भकुरा महादेव पड़ा। इसके बाद ग्रामीणों ने यहां नियमित पूजा-अर्चना शुरू की। महर्षि भुनेश्वरी शरण व्यास ने यहां शिवरात्रि पर मानस यज्ञ की शुरुआत कराई, जिसके बाद यहां मेले की परंपरा भी प्रारंभ हुई। **5 फीट से 75 फीट तक पहुंचने का दावा-** समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, जब यहां पूजा शुरू हुई थी तब शिवलिंग की ऊंचाई लगभग 5 फीट थी। वर्तमान में इसकी ऊंचाई लगभग 75 फीट तथा चौड़ाई 200 फीट से अधिक बताई जाती है। वहीं पुराने अभिलेखों में 1952, 1978, 1987 और 1994 में भी अलग-अलग समय पर इसकी बढ़ती ऊंचाई का उल्लेख मिलता है। **17 गांवों की समिति संभाल रही है व्यवस्था-** भूतेश्वर महादेव संचालन समिति से जुड़े मनोहर लाल देवांगन ने बताया कि 17 गांवों की समिति मिलकर मंदिर की व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सेवा और धार्मिक आयोजनों का संचालन करती है। सावन के पहले सोमवार और महाशिवरात्रि पर हजारों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की जाती हैं। मंदिर के पुजारी केशव सोम ने बताया कि सावन मास में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भी कांबड़िए भूतेश्वरनाथ महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं।

विश्व के सबसे...

मानते हैं। सावन और महाशिवरात्रि के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और पूरा क्षेत्र ‘हर-हर महादेव’ के जयघोष से गुंज उठता है। प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक वातावरण इस स्थान को अन्य शिवधामों से अलग पहचान देते हैं। पहाड़ पर एक छोटा मंदिर है, लेकिन भक्त पहाड़ के नीचे भी पूजा अर्चना करते हैं। एक वर्ष पूर्व यहां भव्य शिवपुराण का आयोजन किया गया था, जिसमें पूरे संभाग के श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया था। इसके बाद से इसे अब शैव तीर्थ के रूप में पहचान मिल रही है। **कोतेबीरा मंदिर-** कुनकुरी क्षेत्र का कोतेबीरा शिव मंदिर भी प्राचीन शैव परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। सावन के प्रत्येक सोमवार को यहां सुबह से देर शाम तक जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और भजन-कीर्तन का आयोजन होता है। महाशिवरात्रि पर यहां विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें जशपुर के अलावा सरगुजा और झारखंड से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। **अंचल की पहचान कैलाश गुफा-** बगीचा विकासखंड स्थित कैलाश गुफा धार्मिक आस्था और प्राकृतिक धरोहर का अद्भुत संगम है। गुफा के भीतर भगवान शिव की पूजा होती है। यह स्थान संत गहरा गुरु की तपस्वली के रूप में भी प्रसिद्ध है। मान्यता है कि उन्होंने यहां वर्षों तक साधना की थी। इसी कारण सावन के प्रत्येक सोमवार को यहां



आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा

अर्श-राहत

बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोक्ता है।
आपरेखन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें



आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा

अर्श-राहत

बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोक्ता है।
आपरेखन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें



विशेष पूजा होती है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। जशपुर नगर का प्राचीन शिव मंदिर भी वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इसके अलावा चरईडंड और जिले के अन्य प्राचीन शिव मंदिरों में भी सावन सोमवार पर विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और भक्तों की सुविधा के लिए स्थानीय स्तर पर व्यापक तैयारियों की गई हैं।

स्थानीय जानकारों के अनुसार जशपुर और सरगुजा का यह वनांचल प्राचीन काल से शैव संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। पहाड़, गुफाएं, जलस्रोत और घने जंगलों के बीच स्थापित शिवधाम आज भी उस समृद्ध धार्मिक परंपरा की जीवंत पहचान हैं। यही कारण है कि सावन के महीने में पूरा जशपुर अंचल शिवभक्ति में डूब जाता है और प्रदेश ही नहीं, पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

देशभर से रायपुर...

मिलने नहीं दिया जा रहा है। संस्था का कहना है कि छत्तीसगढ़ का जो एचआईवी नेटवर्क है, 2017 से एचआईवी पॉजिटिव बच्चों को आम लोगों की मदद से लगातार पोषक आहार प्रति माह दिया जा रहा है। लगातार प्रयास किया गया कि सरकार के द्वारा इन बच्चों को पोषक आहार दिया जाए, लेकिन इसमें भी सहायता नहीं की गई।

सिर्फ रायपुर में...

(सरस्वती नगर निगम गर्ल्स), फूल चौक है। इसके अलावा दो अन्य केंद्र में उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या 100 तक भी नहीं पहुंच सकी। कम उपस्थिति के कारण केंद्र सूने-सूने रहे।

बारिश का असर,...

1 लाख 96 हजार 777 थी, जो जुलाई में बढ़कर 2 लाख 56 हजार 471 हो गई। यह 30.34 प्रतिशत की वृद्धि है। वहीं 400 यूनिट से अधिक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 1 लाख 20 हजार 615 से घटकर 60 हजार 921 रह गई, जो लगभग 50 प्रतिशत की कमी है। इससे यह संकेत मिलता है कि बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अपनी बिजली खपत को 400 यूनिट के भीतर रखने का प्रयास किया, जिससे उन्हें शासन की राहतकारी योजना का लाभ मिल सके।

भारतमाला घोटाले में...

विशेष न्यायलय में चार्ज-शीट दाखिल की गई। अब तक 36 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति अटैच: केंद्रीय जांच एजेंसी ने 29 दिसंबर 2025 तथा 27 अप्रैल 2026 को छापे की कार्रवाई की थी। उस कार्रवाई में 49 लाख रुपए नकद (जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं था) और लगभग 89.80 लाख रुपए कीमत की 37 किलो 133 ग्राम चांदी जब्त की थी। साथ ही जमीन दलालों के सिंडिकेट की लगभग 23.35 करोड़ रुपए की संपत्ति को अस्थायी रूप से अटैच किया। इस नई जब्ती के साथ इस मामले में कुल जब्त की गई संपत्ति का मूल्य 36.14 करोड़ रुपए हो गया है।



आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा

अर्श-राहत

बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोक्ता है।
आपरेखन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें



आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा

अर्श-राहत

बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोक्ता है।
आपरेखन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें





आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact For Advertisement Booking

Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur

Mo.- 9826782100



आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact For Advertisement Booking

Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur

Mo.- 9826782100



आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact For Advertisement Booking

Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur

Mo.- 9826782100



आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact For Advertisement Booking

Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur

Mo.- 9826782100

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।



महज 36 मिनट में फाइनल फतह, सबसे कम उम्र की चैंपियन बनीं तन्वी

एजेसी ►► ताइपे सिटी

युवा भारतीय सनसनी तन्वी शर्मा ने रविवार को ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में वियतनाम की छठी वरीया थुई लिन्ह एनगुएन को सीधे गेम में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। पिछले साल अमेरिकी ओपन सुपर 300 में उप विजेता रही पंजाब की 17 साल की तन्वी ने फाइनल में एनगुएन को 36 मिनट में 21-16, 21-16 से हरया। 17 वर्ष और 222 दिन की उम्र में ताइपे ओपन के इतिहास की सबसे कम उम्र की चैंपियन बनीं तन्वी ने इस मामले में ताइवान की महान खिलाड़ी ताई जू यिंग का रिकॉर्ड तोड़ा।

प्रभावी ड्रॉप शॉट से एनगुएन को लगातार छकाया

तन्वी ने अमेरिकी ओपन में फाइनल में अपने सफर के दौरान भी एनगुएन को हराया था। इस भारतीय खिलाड़ी ने मुकाबले की शुरुआत आक्रमक अंदाज में की। उन्होंने अपने प्रभावी ड्रॉप शॉट से एनगुएन को लगातार छकाते हुए 4-1 की बढ़त बना ली। ड्रॉप शॉट और क्रास कोर्ट स्मैश का बेहतरीन मिश्रण करते हुए भारतीय खिलाड़ी ने बढ़त की 10-2 तक पहुंचा दिया। वियतनाम की खिलाड़ी तन्वी के खेल को पढ़ने और शटल की दिशा का सही आकलन करने में संघर्ष करती नजर आई।



ताइपे ओपन: 17 साल और 222 दिन की तन्वी ने फाइनल में एनगुएन को हराया

ताइवान की खिलाड़ी जू यिंग का तोड़ा रिकॉर्ड

सबसे कम उम्र की फाइनलिस्ट बनीं तन्वी

जीत के बाद मायुक क्षण में तन्वी ने अपना स्वर्ण पदक उत्तरकर कोच पार्क के गले में पहनाया। तन्वी 17 साल और 222 दिन की उम्र में टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र की फाइनलिस्ट भी बनीं। उन्होंने कोरिया के महान युगल खिलाड़ी ली योंग डे को पीछे छोड़ दिया, जो 2006 में पुरुष युगल फाइनल में पहुंचने पर 17 साल और 287 दिन के थे।

मेरा लक्ष्य सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन : तन्वी

तन्वी ने कहा कि यह खिताब जीतकर मैं बेहद खुश हूँ। उन्होंने कहा, मुझे इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने की उम्मीद नहीं थी। मेरा लक्ष्य सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था। मैंने एक बार में एक मैच पर ध्यान दिया और पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया। पीछी सिंधु के पूर्व मेंटर (मानदर्थक) पार्क ताए संग से कोचिंग लेने वाली तन्वी 2008 में साइन नेहवाल के बाद ताइपे ओपन का महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय हैं। पूरे टूर्नामेंट में केवल एक गेम गंवाने वाली तन्वी ने कहा, 'मैं काफी नर्वस थी लेकिन मैंने यहीं सोचा कि मुझे अपना शत प्रतिशत देना है और अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा रखना है।' उन्होंने कहा, लगातार पांच मैच खेलना मेरे लिए भी आसान नहीं था। लेकिन मुझे पूरे टूर्नामेंट में निरंतरता बनाए रखनी थी। अब मुझे सुपर 500 और सुपर 750 स्तर के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए और अधिक मेहनत करनी होगी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करती रहूंगी।

एक सत्र में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय

पूर्व विश्व जूनियर नंबर एक तन्वी विश्व जूनियर चैंपियनशिप के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं। उन्होंने लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक के अलावा मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वह उस भारतीय टीम की भी सदस्य थी, जिसने एशियाई टीम चैंपियनशिप में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था। तन्वी 16 साल की उम्र में 2025 अमेरिकी ओपन में अपने पहले सुपर 300 फाइनल में पहुंचीं। वह इस साल ताइपे ओपन में खिताबी मुकाबले में भी पहुंची और ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 तथा गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 में भी उप विजेता रही और दुनिया की शीर्ष 35 खिलाड़ियों में शामिल हो गईं।

खबर संक्षेप

दलीप ट्रॉफी: तिलक वर्मा को साउथ जोन की कमान

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए साउथ जोन टीम की घोषणा हो गई है। तिलक वर्मा को



15 सदस्यों वाली टीम का कप्तान बनाया गया। आंध्र के बेटर रिकी भुई उप-कप्तान होंगे। टीम में करुण नाथर भी शामिल हैं, जो पिछले साल एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान भारत के लिए खेले थे। यह जोनल टूर्नामेंट 23 अगस्त से शुरू होगा, लेकिन साउथ जोन पिछले एडिशन में फाइनल में पहुंचने की वजह से 30 अगस्त को सेमीफाइनल में सीधे खेलेंगा।

7 अगस्त से भारत और मलेशिया में हॉकी सीरीज

बेंगलुरु। भारत 7 से 13 अगस्त तक नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र में मलेशिया की अंडर-21 पुरुष टीम की 8 मैच की श्रृंखला के लिए मेजबानी करेगा। इस श्रृंखला में मलेशिया की अंडर-21 टीम भारतीय जूनियर पुरुष टीम के खिलाफ 5 और साइ टीम के खिलाफ 3 मैच खेलेंगी। यह श्रृंखला आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए दोनों टीम की तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस श्रृंखला का उद्देश्य दोनों टीमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धी परिस्थितियों में खेलने का अवसर उपलब्ध कराना और द्विपक्षीय खेल संबंधों को मजबूत करना है। भारतीय जूनियर टीम मलेशिया से 7, 8, 10, 12 और 13 अगस्त को भिड़ेगी।

गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर में सिल्वर के बाद 5 हजार मीटर दौड़ में जीता कांस्य पदक

केन्या के मैथ्यू किपचुम्बा किप्सांग ने 13:23.61 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता

एजेसी ►► ग्लासगो

गुलवीर सिंह ने ग्लासगो में इतिहास रच दिया। वे पुरुषों की 5 हजार मीटर दौड़ में कॉमनवेल्थ गेम्स का मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। इतना ही नहीं, वह गेम्स के एक ही एडिशन में दो मेडल जीतने वाले पहले भारतीय ट्रेक एंड फील्ड एथलीट बन गए। 28 जुलाई को 10 हजार मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने के बाद मौजूदा एशियाई चैंपियन ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता के आखिरी दिन 5 हजार मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता। उन्होंने यह दौड़ 13:24.95 में पूरी की। केन्या के मैथ्यू किपचुम्बा किप्सांग ने 13:23.61 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि 10 हजार मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 5000 मीटर में 13:24.70 के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया।



स्वदेश लौटने पर मीराबाई और लवप्रीत का भव्य स्वागत

नई दिल्ली। स्टार मारोतोल्क सेखोम मीराबाई चानू और लवप्रीत सिंह सहित राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों के पहले दल का रविवार को स्वदेश लौटने पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सैकड़ों प्रशंसकों ने जोरदार स्वागत किया। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई ने महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता। मीराबाई ने हवाई अड्डे पर कहा, 'मणिपुर से होने के नाते मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैं अपने देश के लिए कुछ अछा कर सकी। पुरुषों के 109 किग्रा से अधिक वर्ग में एक किग्रा के मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूककर रजत पदक जीतने वाले लवप्रीत सिंह ने कहा कि उनका आगला लक्ष्य जापान में होने वाले एशियाई खेल हैं। पंजाब के 28 वर्षीय लवप्रीत ने कहा, 'मैं भारतीय नौसेना, अपने कप्तान विजय कुमार और यहां स्वागत के लिए आए सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूँ।

15 चौके और 25 छक्के जड़कर अभिषेक ने ठोका दोहरा शतक

एजेसी ►► नई दिल्ली



अभिषेक शर्मा ने एक लोकल डिस्ट्रिक्ट वनडे मुकाबले में अपनी तुफानी बल्लेबाजी से तहलका मचा दिया। अभिषेक ने अमृतसर में से सीनियर टीम की ओर से खेलते हुए तरन तारन में से सीनियर टीम के गेंदबाजों की जमकर धज्जियां उड़ाईं। वो इस मुकाबले में दोहरा शतक जड़ने में कामयाब रहे, जिसके चलते अमृतसर में से सीनियर टीम ने 50 ओवर में 500 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया। अभिषेक ने इस मुकाबले में 91 गेंदों का सामना करते हुए 233 रनों की ऐतिहासिक और विस्फोटक पारी खेली। 250 से भी ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने अपनी इस पारी में 15 चौके और 25 तुफानी छक्के लगाए। यानी अपनी पारी के 202 रन उन्होंने सिर्फ चौकों और छक्कों की मदद से ही बना डाले। इस 50 ओवर के मुकाबले में अभिषेक शर्मा के दोहरे शतक और अभय चौधरी की 91 रनों की पारी के दम पर अमृतसर में से सीनियर टीम ने 50 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 533 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

खराब फॉर्म के बाद जोरदार वापसी

हाल के समय में भारतीय टीम के लिए खेलते हुए अभिषेक शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट की पिछली सात पारियों में वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए हैं। हाला ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में उनका बल्ला पूरी तरह खामोश रहा था, जहां उन्होंने तीन पारियों में 1, 8 और 2 रन बनाए थे।

भारत को झटका, बुमराह टेस्ट सीरीज से बाहर



एजेसी ►► नई दिल्ली भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण श्रीलंका के दो टेस्ट मैचों के दौरे से बाहर रह सकते हैं। बुमराह के घुटने में सूजन शुरूआत में जितनी सामान्य लग रही थी उससे अधिक गंभीर प्रतीत हो रही है। ऐसे में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सर्सीस को खेल विज्ञान टीम इस अनुभवी तेज गेंदबाज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कड़ी चुनौती में जख्मबाजी में उतारने के पक्ष में नहीं है क्योंकि आगे का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला की शुरूआत 15 अगस्त से गोल में होगी।

आकिब नबी और यश ठाकुर दावेदार

ऐसे में यह देखा जा सकता है कि घटनाक्रमों बुमराह के स्थान पर उम्मु-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी या विक्रम के यश ठाकुर में से किसी नौका देते हैं। नबीश कुमार रेड्डी (फै की मांसपेशियों में खिंचाव), हर्षित राय (फै की मांसपेशियों में खिंचाव) और विश्विपटन सुंदर (फै की मांसपेशियों में खिंचाव) पहले ही चोटों से जूझ रहे हैं।

लॉर्ड्स वनडे में हुए थे चोटिल

इंग्लैंड के खिलाफ 32 वीं वनडे बुमराह लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे घकदिवसीय मैच में चोटिल होने के बाद नहीं खेल पाए थे। वह हाल ही में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सर्सीस पहुंचे थे और उम्मीद थी कि दो सप्ताह बाद शुरू होने वाली श्रृंखला तक वह मैच के लिए फिट हो जाएंगे। हालांकि पता चला है कि बुमराह को अब भी कुछ परेशानी महसूस हो रही है। अगर वह 15 अगस्त या 23 अगस्त से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले फिट भी हो जाते हैं तो भी चिकित्सा टीम इस बात को लेकर आश्चर्य नहीं है कि धीमी पिचों पर गेंदबाजी के अधिक बोझ को देखते हुए टेस्ट क्रिकेट उनके लिए सही प्रारूप होगा।

मेजर लीग सॉकर : कोलंबस कू ने मियामी की जीत पर लगाया ब्रेक

■ मंडेजे ने 84वें मिनट में फ्री किक पर गोल दागकर कोलंबस को बराबरी दिलाई

एजेसी ►► मियामी

ब्रेस मंडेजे ने मेजर लीग सॉकर में पदार्पण करते हुए अंतिम लम्हों में गोल दागा, जिससे कोलंबस कू ने इंटर मियामी को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। मैच में कोलंबस ने मियामी के लगातार छह मैच में जीत के क्रम को भी तोड़ दिया। मियामी ने हालांकि अपने पिछले सात मैच नहीं गंवाए हैं। मंडेजे ने 84वें मिनट में फ्री किक पर गोल दागकर कोलंबस को बराबरी दिलाई।

अजेन्टीना को अपनी कप्तानी में लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में जगह दिलाने वाले लियोनल मेस्सी मियामी की ओर से 53वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे। उन्हें गोल करने के छह मौके मिले लेकिन सफलता नहीं मिली। कोलंबस को पहले हॉफ में आत्मघाती गोल का भी फायदा मिला। मियामी के लिए लुई सुआरेज ने 16वें मिनट जबकि नोह एलेन ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल दागा।



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे				
शुद्धिपत्र				
(1) ई-निविदा सूचना संख्या: एनआईटी/14/26/23, दिनांक: 09 जून 2026. (2) सीपीआर/एसईसीआर/10/26-27/ML/204.				
क्र. सं.	निविदा संख्या	निविदा बंद/खुलने की तिथि व समय	पढ़ा जाए	मात्रा
1.	06265093	31.07.2026 समय: 10.30 बजे	10.08.2026 समय: 10.30 बजे	38 नग
रैलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई-व्बरीद की जरूरी सूचना वेबड www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।			सीपीआर/10/पीएच/323	
सीपीआर/10/पीएच/323			कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिलासपुर	
f South East Central Railway			@secrail	



कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

मुख्य कार्यालय - साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)

बालको जोन

फा.क्र./2229, 2231/ निर्माण (बालको जोन) / 2026-27/ कोरबा, दिनांक 30.07.2026

निविदा आभंत्रण की सूचना

लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा वेबसाइट से डाउनलोड कर मुरवंधे लिफाफे में निविदा आभंत्रित की जागी है :-

1 निर्धारित प्रारूप में निविदा प्राप्त प्राप्त होने की अंतिम तिथि - दिनांक 25.08.2026 सायंकाल 3:00 बजे तक
2 निविदा खुलने की अंतिम तिथि - दिनांक 25.08.2026 सायंकाल 4:30 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि	घरोहर राशि
1	वाई क्र. 45 परसाभाडा अंतर्गत कांजी हाउस गली में लखन लाल चंदा के पास नाली मरम्मत एवं स्वेब लगाना का कार्य (15वें वित्त आयोग मद, प्रथम निविदा)	9,00,000/-	6,750/-
2	वाई क्र. 46 अंतर्गत शासकीय स्कूल से फायर कॉलोनी से टावर तक नाली और सड़क निर्माण कार्य (15वें वित्त आयोग मद, प्रथम निविदा)	8,50,000/-	6,400/-

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्त, घरोहर निविदा विज्ञापि, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है, साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website: www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

कार्यालयन अधिकार नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

॥ स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ॥

दुनिया में कई ऐसी घटनाएं होती हैं, जो पहली बार सुनने पर किसी फिल्म की कहानी जैसी लगती हैं। लेकिन, जब पता चलता है कि यह सब हकीकत है, तो हैरानी और भी बढ़ जाती है।

रहस्यमयी

कई-कई महीने लगातार नाचते रहे लोग, थक कर ही जाती थी मौत!

जब दुनिया में फैली थी नाचने वाली महामारी!

पेरिस। मानव इतिहास में कई अजीबोगरीब महामारियाँ आई हैं। कुछ ने लाखों लोगों को बीमार किया, कुछ ने मौत दी, लेकिन 1518 की 'डॉसिंग प्लेग' शायद सबसे विचित्र और रहस्यमयी घटना है। जुलाई 1518 में फ्रांस के स्ट्रासबर्ग शहर में एक महिला अचानक सड़क पर नाचने लगी थी। वह कई दिनों तक बिना रुके नाचती रही। कुछ दिनों में सैकड़ों लोग उसके साथ जुड़ गए। बताया जाता है कि एक महिला के नाचने से शुरू हुआ ये सफर करीब चार सौ लोगों तक जा पहुँचा था। ये क्यों शुरू हुआ और इसकी वजह क्या थी, ये आज भी एक रहस्य है। सोशल मीडिया पर इस महामारी से जुड़ी कई कहानियाँ शेयर की गई हैं, जिससे इतने सालों बाद फिर से इसे वायरल कर दिया है।



कैसे शुरू हुई महामारी?

सबसे पहले फ्राउंट्रॉफिया नाम की एक महिला बिना किसी संगीत के नाचने लगी थी। वह हफ्ते भर तक लगातार नाचती रही, फिर और लोग उसके साथ शामिल होते गए। एक महीने के अंदर करीब 400 से ज्यादा लोग अनियंत्रित रूप से नाच रहे थे। लोग थकान से चूर हो जाते, फिर भी रुक नहीं पाते थे। कई लोगों के पैरों में खून बहने लगा, कुछ के दिल का दौरा पड़ गया और वे मर गए। अनुमान है कि इस महामारी से सैकड़ों मौतें हुई थीं।

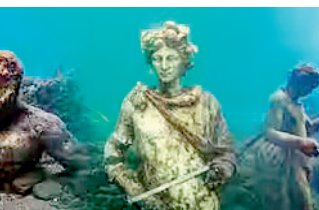
समाज और सरकार की प्रतिक्रिया

डॉक्टरों ने इसे 'हॉट ब्लाड' की बीमारी बताया था। वहीं, धर्मगुरुओं ने इसे शैतान का प्रभाव माना था। उन्होंने इसे श्राप का असर बता दिया था। शहर के अधिकारियों ने संगीतकारों को बुलाकर और ज्यादा नाचने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि लोग थककर मिर जाएं। लेकिन, उन्हें रोकने का ये आइडिया फेल हो गया था। कई लोग नाचने की वजह से मौत के मुंह में समा गए। इसके बाद अपने आप ही ये महामारी खत्म हो गई।

संभावित कारण

आज के वैज्ञानिक इसे सामूहिक मानसिक बीमारी मानते हैं। दरअसल, उस समय भुखमरी, तनाव, सिफलिस जैसी बीमारियाँ और एगॉट फेब्रा (रुई में लगने वाला फेब्राज जो एलएफडी जैसा प्रभाव देता है) फैली थी। इन सबको भी कारण माना जाता है। कुछ महीनों बाद धीरे-धीरे लोगों ने थककर या मरकर नाचना बंद कर दिया और स्ट्रासबर्ग फिर से सामान्य हो गया। यह घटना दिखाती है कि सामूहिक तनाव और सामाजिक दबाव किना खतरनाक हो सकता है। आधुनिक दुनिया में भी मास हिस्टीरिया के मामले देखे जाते हैं। 1518 की डॉसिंग प्लेग मानव इतिहास की सबसे अजीब महामारियों में से एक है। यह हमें याद दिलाती है कि विज्ञान और समझ के बिना अंधविश्वास और तनाव कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं।

दुनिया के सबसे बड़े अंडरवाटर सिटी पर खतरा



रोम। अमेरिका के लॉस वेगास को आज दुनिया का सिन सिटी (पाप का शहर) कहा जाता है। इसकी वजह इस शहर में चौबीसों घंटे चलने वाली गतिविधियाँ और मनोरंजन है, जो शायद कहीं और इतनी आसानी से उपलब्ध नहीं है। लेकिन, आज से लगभग 2200 साल पहले रोमनों ने ऐसा ही शहर बनाया था, जहाँ रोम के अभीर और ताकतवर लोग अपने अजीब शौक पूरा करने जाया करते थे। इसे रोमन अमीरों का लॉस वेगास कहा जाता था। नेपल्स के पश्चिम में मौजूद इस शहर का नाम बाइया था, जो आज समुद्र में समा गया है।

सीजर की मौत के समय यहीं थी क्लियोपेट्रा: दूसरी सदी ईसा पूर्व के अंत तक बाइया एक रोम के अमीरों के लिए एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन बन चुका। सिसरो, प्लिनी, निरो और सीजर जैसी रोम की मशहूर हस्तियाँ यहाँ छुटी मनाने आया करती थीं। यह अपने जमाने का रिसॉर्ट शहर था। कहा तो यह भी जाता है कि जूलियस सीजर की हत्या के बाद उसकी प्रेमिका और मित्र की खुबसूरत रानी क्लियोपेट्रा इसी शहर से भागकर अपने देश वापस गई थीं। आज बाइया का ज्यादातर हिस्सा समुद्र के नीचे डूबा हुआ है। 1940 के दशक में हवाई फोटोग्राफी से पहली बार पाता चला कि समुद्र की सतह के नीचे कोई ढाँचा मौजूद है।

समुद्र में व्हेल के जन्म का अद्भुत नजारा

केनबरा। दुनियाभर में कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं, जिन्हें देखना न सिर्फ अचंभा पैदा करता है, बल्कि कभी-कभी आंखों पर भी भरोसा करना मुश्किल हो जाता है। ऐसी ही एक घटना समुद्र के बीच शांत पानी में हुई। ड्रोन से वीडियो रिकॉर्ड करते समय एक वयस्क मादा व्हेल को बच्चे को जन्म देते हुए देखा। दावा किया जा रहा है कि दुनिया में कहीं भी वीडियो में रिकॉर्ड किए गए हंपबैक व्हेल के जन्म की चौथी पूरी घटना को कैमरे में कैद किया है। दावा ये भी किया जा रहा है कि यह ड्रोन से रिकॉर्ड की गई ऐसी पहली घटना है।

ऑस्ट्रेलिया में 'ऑर्गनाइजेशन फॉर द रेस्क्यू एंड रिसर्च ऑफ सितसियन्स' के लिए एनएसडब्ल्यू के उत्तरी तट पर माइग्रेट करने वाली हंपबैक व्हेल की हवाई निगरानी करते समय अलेक्जेंडर फॉरिस्ट ने शांत समुद्र में एक वयस्क मादा व्हेल को बच्चे को जन्म देते हुए देखा। उन्होंने व्हेल के बच्चे के जीवन के



शुरुआती पलों को कैमरे में कैद किया, जिसमें उसकी पहली सांस और अपनी माँ के साथ उसका मिलन शामिल है।

हंपबैक व्हेल का वैज्ञानिक नाम 'मेगाटेरा'

हंपबैक व्हेल को यह नाम इसके आकार और समुद्र में गोता लगाते समय इसकी पीठ की विशिष्ट बनावट के कारण दिया गया है। इसका वैज्ञानिक नाम मेगाटेरा है। इसका अर्थ 'बड़े पंखों वाला' होता है। इनकी लंबाई कुल शरीर की लंबाई के एक तिहाई के बराबर होती है।

स्पर्म व्हेल बच्चे को जन्म देते आई थी नजर

इससे पहले मार्च 2026 में वैज्ञानिकों ने एक फुटेज जारी किया था। इस वीडियो फुटेज में एक स्पर्म व्हेल बच्चे को जन्म देते हुए नजर आई थी, जबकि दूसरी मादा व्हेल मिलकर माँ और उसके नवजात बच्चे को सहारा दे रही थी।

Divisa
www.divisastore.com

Clinically Tested*
*In vitro and in vivo

- 1 Paraben Free
- 2 Alcohol Free
- 3 Steroids Free
- 4 Silicon Free
- 5 Mineral Oil Free

हर बार नया क्यों ? बार बार आज़माइश छोड़ियें

अपनी त्वचा पर प्रयोग करना बंद कीजिए, क्योंकि आपका आयुर्वेदिक रूप मंत्रा ही है सर्वश्रेष्ठ जोकि आपके चेहरे की त्वचा को भीतर से निखारने एवं चमकदार बनाने में अति सहायक है, साथ ही यह डार्क सर्कल्स एवं छाइयों को कम करके आपके चेहरे को उज्ज्वल रखने में भी मदद करता है।

शुद्ध आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से निर्मित

रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम में मौजूद ऐलोवेरा, तुलसी, द्राक्षा, हरिद्रा, चंदन, बादाम इत्यादि आयुर्वेदिक जड़ी बूटियाँ चेहरे पर प्राकृतिक नमी सुरक्षित रख एक ट्रीटमेंट की तरह कार्य करती हैं। यह कोई कॉस्मेटिक नहीं आयुर्वेदिक औषधि है।

Helpline : 87259 56666 | www.roopmantra.com

**सेक्स अंगों की
कॉस्मेटिक सर्जरी**
**Fat Injection
Vagina
Tightening**
(महिलाएं व पुरुष दोनों हेतु)

**कालाड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक
सर्जरी एवं बर्न सेंटर**
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौथे कालोनी
एवं मेगा ड्राय-नोस्ट्रिफ के ऊपर, कलर्स
माल के पास, घाघरेड़ी नाका, रामपुर (उ.प्र.)

9827143060
Dr. Anil Kumar

38 साल के इंडियन योगा टीचर ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

इन्डोर्। भारत के 38 साल के योग टीचर कमल कालोई ने नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

■ पानी के अंदर 6 मिनट तक सांस रोककर लगाए 86 पुश-अप्स

उन्होंने पानी के अंदर एक ही सांस में 86 पुश-अप्स लगाए हैं। यह उनका तीसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड है। वे फिलहाल विनयतक के नाम दिन्हे शहर के निवृत्त बिना में रहते हैं। उन्होंने इस

रिकॉर्ड के लिए पूरे दो साल तक शरीर की ताकत बढ़ाने और सांस रोकने की ट्रेनिंग ली। कमल बताते हैं कि पिछले साल अक्टूबर में उन्होंने यह कारनामा किया। वे एक स्विमिंग पल के एकदम नीचे गए,

अपनी पोजीशन ली और सांस लेने के लिए ऊपर आने से पहले 86 पुश-अप्स लगा दिए। इस काम में योग ने उनकी बहुत मदद की। योग की वजह से ही वे पानी के अंदर 6 मिनट तक सांस रोक सकते हैं।

पहले भी एक ही साल में बनाए थे दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

कमल कहते हैं कि वे शुरू से ही कुछ अलग करना चाहते थे। दूसरों के रिकॉर्ड देखकर उन्हें प्रेरणा मिलती थी। साल 2020 में उन्होंने पानी के अंदर लगातार 21 योग मुद्राएं करके अपना पहला रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद ही उन्हें अपनी असली ताकत का पता चला। साल 2020 में ही उन्होंने पानी के अंदर 72 एयर रिक्स (हवा के छल्ले) बनाए वा रिकॉर्ड भी हथियाया था।

